राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 328
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 09 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 श्री हरिमंदिर साहिब में खालिस्तानी नारे लगाने वालों के खिलाफ कारवाई को लेकर भारत के गृहमंत्री को मिले वीरेश शांडिल्य | पेज 5 बाल संरक्षण निकाय ने पुलिस से की मांग, बच्चों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई | पेज 7 चीन को लेकर क्या थी नेहरू की मैंगो डिप्लोमैसी, जो नहीं हो पाई कामयाब

देश में 24 घंटे में कोरोना के 41 प्रतिशत केस बढ़े

देश में अभी एक्टिव मरीजों की संख्या 27,020 है

नई दिल्ली। दुनियाभर में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में भारत में कोरोना केस 41त्न बढ़ गए, बीते दिन कोरोना के 5,233 नए मामले सामने आए। सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र और केरल में दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में 1,821 नए केस मिले हैं, जो फरवरी के बाद सबसे ज्यादा है।

दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी देश चिली के एक्सपर्ट्स ने कोरोना वायरस को लेकर बड़ी चेतावनी जारी की है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगले दो हफ्ते में चिली में कोरोना पीक पर होगा। यहां पिछले 14 दिनों में कोरोना मामले 58प्रतिशत बढ़ गए हैं। ऐसे में एक्सपर्ट्स कोरोना की 5वीं लहर की आशंका जता रहे हैं। इस सप्ताह चिली में कोरोना केस 9,000 से ऊपर पहुंच गए।

महाराष्ट्र में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही राज्य में BA.5 वैरिएंट का एक और मरीज मिला है।

जानकारी के मुताबिक पुणे में एक 31 साल की महिला BA.5 वैरिएंट से संक्रमित पाई गईं। पुणे में इस वैरिएंट का ये चौथा मामला है। महाराष्ट्र में 28 मई को BA.4 के चार और BA.5 के तीन मरीज सामने आए थे। इस तरह से राज्य में नए वैरिएंट के अब तक कुल 8 मरीज संक्रमित मिल चुके हैं।

देश में कोरोना की स्थिति

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटे में देश में 5,237 नए केस दर्ज किए गए और 7 मरीजों की मौत हो गई। गनीमत यह है कि बीते दिन कोरोना का इलाज करवा रहे 3,345 मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। सोमवार के मुकाबले मंगलवार को कोरोना के 63 मरीज ज्यादा मिले। सोमवार को 3,651 संक्रमित मिले थे। इस तरह से संक्रमण के मामलों में सिर्फ 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सोमवार को 2,497 मरीज कोरोना से ठीक हो गए, जबकि 7 की मौत हुई। देश में अभी एक्टिव मरीजों की संख्या 27,020 है।

दिल्ली में कोरोना की रफ्तार धीमी

राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 450 नए मामले सामने आए हैं, 264 मरीज ठीक हुए और एक मरीज की मौत हो गई। यहां अभी 1,534 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। दिल्ली में कुल पॉजिटिविटी रेट 4.94प्रतिशत है। कोरोना के शुरुआती दिनों से अब तक यहां 1.9 लाख मरीज पॉजिटिव पाए गए, 1.8 लाख मरीज ठीक हुए, जबकि 26 हजार से ज्यादा संक्रमितों की मौत हो गई। 15 मई के बाद दिल्ली में कोरोना की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

हैदराबाद गैंगरेप में 6 गिरफ्तार

एमएलए के बेटे के बाद भतीजा भी पकड़ा गया; पेरेंट्स पर भी केस कर सकती है पुलिस

हैदराबाद। हैदराबाद रेप केस में स्थानीय पुलिस ने AIMIM विधायक के बेटे और भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ही नाबालिग हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि जिस इनोवा कार में अपराध को अंजाम दिया गया था, वह सरकारी कार है। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद ने बताया कि यह कार एक आरोपी के पिता को अलॉट की गई थी।

आरोपी का पिता रसूखदार नेता है, जो एक प्रमुख सरकारी संगठन का मुखिया है। पुलिस सभी नाबालिगों के माता-पिता को भी गिरफ्तार करने के बारे में सोच रही है, लेकिन पहले तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।

पुलिस ने अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें से पांच नाबालिग हैं। पुलिस कमिश्नर आनंद ने कहा कि रूके बेटे को गैंग रेप के लिए नहीं, बल्कि इंडियन पीनल कोड और पॉक्सो एक्ट के सेक्शन 354 के तहत हिरासत में लिया गया है। बाकी पांच आरोपियों को सेक्शन 376 (D) (गैंगरेप), 354, 366 (किडनैपिंग) POCSO Act, IT Act (पीड़िता के वीडियो सर्कुलेट करने के लिए) समेत कई अन्य सेक्शन के तहत चार्ज किया गया है।

अपराध में इस्तेमाल हुईं दो कारें

घटना 28 मई की है। लड़की के पिता ने जब उसके शरीर पर निशान देखे तो बुधवार 1 जून को आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। कमिश्नर आनंद ने कहा कि अपराध में दो कार इस्तेमाल की गई थीं और दोनों को नाबालिग ड्राइव कर रहे थे। 28 मई की शाम को करीब 5:30 बजे पीड़िता 8 लोगों के साथ निकली। सभी लोग दो कारों में बैठकर वहां से रवाना हुए।

पीड़िता के साथ चार नाबालिग मर्सिडीज बेंज में और बाकी सभी इनोवा में बैठे। ये सभी यहां से बेकरी पहुंचे।

रास्ते में चार नाबालिगों ने पीड़िता को किस करने के वीडियो सोशल मीडिया पर सर्कुलेट कर दिए। बेकरी पहुंचने के बाद पीड़िता इनोवा में बैठ गई। इसमें उसके साथ चार नाबालिग और एक बालिग आरोपी था। आरोपी कार को चलाकर जुबली हिल्स रोड नंबर 44 तक ले गए, जहां उन्होंने उसका गैंग रेप किया।

पब के बाहर निकलते सीसीटीवी से हुई आरोपियों की पहचान

वारदात के बाद पुलिस ने पब के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान की है। इसमें पीड़िता लड़कों के साथ जाते हुए देखी गई। पीड़िता और आरोपी शाम के वक्त पब के बाहर खड़े होकर बातें करते नजर आए। वीडियो में दिखा कि लड़की एक दोस्त को गले लगाती है, उसे विदा करती है और बाकी लड़कों के साथ लाल मर्सिडीज में चली जाती है।

नाबालिगों के माता-पिता को गिरफ्तार कर सकती है पुलिस

MLA के बेटे को गिरफ्तार करने में इतना वक्त क्यों लगा? इस सवाल के जवाब में कमिश्नर आनंद ने बताया कि पुलिस सारे सबूतों को पीड़िता के बयान से मिलाकर देखकर चाहती थी। इसके अलावा और भी कई फैक्टर थे जिन पर ध्यान देने के बाद ही MLA के बेटे को हिरासत में लिया जा सका। कमिश्नर आनंद ने बताया कि पुलिस सभी नाबालिगों के माता-पिता को गिरफ्तार करने के बारे में सोच रही है, लेकिन पहले तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।

कुएं की सफाई करने उतरे 5 लोगों की मौत

गैस रिसाव से मरने की आशंका; गांव में पसरा मातम

एजेंसी

बालाघाट। मध्य प्रदेश में कुएं की सफाई करने के लिए उतरे 5 लोगों की मौत हो गई है। घटना बालाघाट की है। बताया जा रहा है कि मरने वालों में रोजगार सहायक और उनके दो भाई भी शामिल हैं। यह भी जानकारी मिली है कि कुएं में अचानक गैस रिसाव हुआ

था। आशंका जताई जा रही है कि इस रिसाव की वजह से दम घुटने के कारण इनकी मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुंदना गांव में शाम के वक्त कुछ लोग कुएं की सफाई करने के लिए उसके अंदर गए थे।

इसमें यहां के रोजगार सहायक पुनीत उनके भाई और गांव के कुछ अन्य लोग शामिल थे। बताया जा रहा है कि गैस रिसाव के कारण इन सभी की मौत हुई है।

5 मौतों की खबर मिलते ही बैहर विधानसभा के विधायक संजय उईके, कलेक्टर डॉक्टर गिरिश कुमार मिश्रा, एसडीएम तथा अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। कलेक्टर ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता दिये जाने की घोषणा की है।

गांव में 5 लोगों की मौत के बाद मातम पसर गया। मृतकों के परिजनों की चीत्कार से यहां माहौल काफी गमगीन हो गया था।

कहा जा रहा है कि कुएं की सफाई के लिए उतरे यह सभी लोग जब काफी देर तक बाहर नहीं आए तब गांव के अन्य लोग कुएं में उतरे। जिसके बाद उन्हें इन पांच लोगों की लाश मिली थी। कुएं के अंदर किस गैस का रिसाव हुआ था। इसकी जांच अभी जारी है।

मुजफ्फरनगर में बड़ा हादसा, तेज रफ्तार ट्रक ने तीन बाइकों को उड़ाया, 4 की मौत, दो घायल

नई दिल्ली। मुजफ्फरनगर. वेस्ट यूपी के मुजफ्फरनगर जिले में बुधवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। सुबह के समय एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को ओवरटेक करने के चक्कर में तीन बाइकों को टक्कर मारकर उड़ा दिया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह खौफनाक हादसा मुजफ्फरनगर के थाना तितावी इलाके में पानीपत-खटीमा नेशनल हाईवे पर काजीखेड़ा गांव के पास हुआ। घटना के समय एक तेज रफ्तार ट्रक, आगे चल रही बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा है। इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित हो गया और सामने से आ रही तीन बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद सड़क पर खून ही खून बिखर गया। लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसमें किसी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब पहुंची तब तक अलग-अलग बाइकों पर सवार तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। तीन लोग गंभीर घायल थे जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। इनमें एक शख्स की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। दो लोग अभी गंभीर हालत में हैं जिनका इलाज चल रहा है।

हिजाब पहनने पर एक्शन : कर्नाटक के गवर्नमेंट कॉलेज से 24 स्टूडेंट्स सस्पेंड

कर्नाटक। कर्नाटक के सरकारी कॉलेज से प्रबंधन ने 24 स्टूडेंट्स को सस्पेंड कर दिया, क्योंकि वे हिजाब पहनकर क्लास में पहुंची थीं। कॉलेज के प्रिंसिपल ने बताया कि हमने स्टूडेंट्स से हिजाब न पहनने को कहा था, लेकिन काफी समझाने के बाद भी वो हिजाब पहन रही थीं।

कॉलेज के प्रिंसिपल ने सभी शिक्षकों से परामर्श किया और स्टूडेंट्स को 4 दिनों तक क्लास में एंट्री बैन कर दी है। सीडीसी ने साफ तौर पर कहा है कि क्लास और कॉरिडोर में हिजाब की इजाजत नहीं होगी। अगर लड़कियां फिर भी नियमों का उल्लंघन करती हैं, तो हमारे पास सख्त कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पुत्तुर के विधायक संजीव मतनदूर ने कहा कि हाईकोर्ट ने कॉलेज में ड्रेस कोड के पालन का आदेश दिया था।

स्टूडेंट्स ने ड्रेस कोड का उल्लंघन किया है और इसलिए उन पर एक्शन लिया गया। उन्होंने कहा कि लेक्चरर्स को हिदायत दी गई है कि वो कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश का सख्ती से पालन करवाएं। ड्रेस कोड का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं : हाईकोर्ट

बीते मार्च 74 दिनों के घमासान के बाद, कर्नाटक हाईकोर्ट ने हिजाब मामले में फैसला सुनाया था। चीफ जस्टिस रितुराज अवस्थी, जस्टिस कृष्ण एस. दीक्षित और जस्टिस खाजी जयबुन्नेसा मोहियुद्दीन की 3 मेंबर वाली बेंच ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब न पहनने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने कहा - हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं हैं, ऐसे में स्टूडेंट्स स्कूल या कॉलेज में तय की गई यूनिफॉर्म पहनने से इनकार नहीं कर सकते।

कांग्रेस-बीजेपी फिर आमने सामने

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री ने कहा प्रो हिजाब प्रोटेस्टर्स को भारत में मिली आजादी का आनंद लेना चाहिए। इनको पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और अन्य बच्चों की पढ़ाई में बाधा नहीं बनना चाहिए।

इसके जवाब में मतनदूर के विधायक ने कहा - कांग्रेस के मुस्लिम लीडर ने फैक्ट पर बात की है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को मिला विधान परिषद का टिकट

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार के विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनावों के लिए आज 16 उम्मीदवारों की घोषणा की जिसमें उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हैं। भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने बुधवार को यहां यह सूची जारी की जिसमें उत्तर प्रदेश से नौ, महाराष्ट्र से पांच और बिहार से दो उम्मीदवारों की घोषणा की है। सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश से सर्वश्री केशव प्रसाद मौर्य, चौधरी भूपेन्द्र सिंह, दयाशंकर मिश्र दयालु, जे पी एस राठौर, नरेन्द्र कश्यप, जसवंत सैनी, दानिश आज़ाद अंसारी, बनवारी लाल दोहरे और मुकेश शर्मा, महाराष्ट्र से सर्वश्री प्रवीण यशवंत दारेकर, प्रो. रामशंकर शिंदे, श्रीकांत भारतीय, प्रसाद मिनेश लाड और श्रीमती उमा गिरीश खापरे तथा बिहार से हरि साहनी और अनिल शर्मा को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

प्रेमिका से मिलने आए प्रेमी की हत्या, खेत में शव

मंगलवार शाम से था लापता, पीड़ित परिजनों ने युवक को पीटा, गांव में फोर्स तैनात

अयोध्या। अयोध्या में प्रेमिका से मिलने आए 20 साल के प्रेमी की हत्या कर दी गई है। इसके बाद गन्ने के खेत में शव मिला बरामद किया गया है।

युवक कल शाम से लापता था। विकास यादव का शव मिलने से नाराज परिजनों ने गांव के एक युवक को पीट दियाइसके बाद गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है और माहौल तनाव पूर्ण बना हुआ है। घटना जिले के थाना पूरा कलंदर के अंजना पूरे माफीदार का पुरवा की है। विकास यादव।

थाना महाराज गंज के रामपुर हलवारा गांव का था रहने वाला थाद्य उसका शव पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के अंजना मजरे माफीदार का पुरवा में बुधवार शाम गांव के बाहर गन्ने के खेत मिलने से सनसनी फैल गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर गांव में फोर्स तैनात कर दिया है।

पुलिस के अनुसार विकास यादव पुत्र बालक राम यादव निवासी रामपुर हलवारा अपने मामा के लड़के आशीष के साथ बुधवार शाम अंजना मजरे माफीदार के पुरवा में पहुंचा था।आशीष गांव के बाहर एक पेड़ के नीचे बैठकर विकास का इंतजार करता रहा लेकिन विकास रात भर वापस नहीं आया तो आशीष विकास के घर जाकर परिजनों को पूरी बात बताई। परिजन विकास को खोजने माफीदार का पुरवा पहुंचे तो गांव के बाहर गन्ने के खेत में विकास का शव दिखाई पड़ा जिस पर परिजन आग बबूला हो गए और गांव के ही एक युवक सतन निषाद की पिटाई कर दी।

एसपी सिटी ने घटना स्थल की जांच की

सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर लोगों को काबू में किया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। लोग प्रेम प्रसंग के मामले में हत्या किए जाने की बात कर रहे है। एसपी सिटी विजय पाल सिंह अयोध्या सीओ आर के चतुर्वेदी मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया।पूरा कलंदर थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया घटना की छानबीन की जा रही है दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मूसेवाला हत्याकांड

मूसेवाला की हत्या पर दिल्ली पुलिस का बड़ा खुलासा

लॉरेंस बिश्नोई ही है मास्टरमाइंड; 5 आरोपियों की पहचान

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर दिल्ली पुलिस ने बुधवार को बड़ा खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि अब तक इस केस में 5 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी धालीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मास्टरमाइंड लॉरेंस बिश्नोई है जोकि दिल्ली की जेल में बंद है और पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि भगोड़े सौरभ महाकाल के करीबी शूटर ने मूसेवाला को गोली मारी थी।

बता दें कि बुधवार को पुणे की ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य

शूटर के करीबी महाकाल को गिरफ्तार कर लिया है और उसे 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी एचजीएस धालीवाल ने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस को महाकाल की 14 दिन की हिरासत मिली है। पुलिस ने बताया, हत्या में कम से कम 5 लोग शामिल हैं। एक महाकाल को गिरफ्तार कर लिया गया है, वह पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल शूटरों में से एक का करीबी सहयोगी है, हालांकि वह शूटिंग में शामिल नहीं था। असली शूटरों की जल्द गिरफ्तारी होगी।

इससे पहले पंजाब पुलिस ने भी कहा था कि मूसेवाला की हत्या के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ था। गिरोह के सदस्य और कनाडा में रह रहे गोल्डी बराड़ ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को कहा कि पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के संबंध में पुलिस ने अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि आरोपियों को, गायक पर गोली चलाने वाले लोगों को रहने की जगह उपलब्ध कराने, टोह लेने (रेकी) और अन्य प्रकार की सुविधा मुहैया कराने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब के मानसा जिले में रविवार को अज्ञात हमलावरों ने मशहूर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी। राज्य सरकार द्वारा मूसेवाला की सुरक्षा में कटौती किए जाने के बाद यह घटना हुई। इस हमले में मूसेवाला के एक चचेरे भाई और एक मित्र भी घायल हो गए, जो मूसेवाला के साथ जीप में यात्रा कर रहे थे। मूसेवाला उन 424 लोगों में शामिल थे, जिनकी सुरक्षा पंजाब पुलिस ने अस्थायी रूप से हटा दी थी।

नीट पीजी-2021 की 1456 सीटें खाली, सुप्रीम कोर्ट ने की केंद्र सरकार की खिंचाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल स्नातकोत्तर स्तर की वर्ष 2021 की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट- पीजी 2021) के मामले में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में 1456 सीटें खाली रहने के बावजूद उन्हें भरने के लिए जरूरी प्रक्रिया (मॉप अप राउंड) आयोजित नहीं करने पर केंद्र सरकार और मेडिकल काउंसलिंग कमिटी (एमसीसी) की बुधवार को खिंचाई की।

न्यायमूर्ति एम. आर. शाह और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अवकाशकालीन पीठ ने डॉ. अथर्व तुंगटकर और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि देश में डॉक्टरों की कमी के बावजूद मॉप अप राउंड आयोजित नहीं करके वे (केंद्र

और एमसीसी) छात्रों के जीवन से खेल रहे हैं। पीठ ने कहा कि अगर छात्रों को प्रवेश नहीं दिया गया तो वह इस संबंध में उन्हें (छात्रों को) मुआवजा देने का आदेश भी पारित करेगी।

शीर्ष अदालत के समक्ष एमसीसी के वकील ने कहा कि इस मामले में आदेशों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए इस मामले को स्पष्ट करने के लिए एक हलफनामा दायर करने की अनुमति दी जाए।

उच्चतम न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को गुरुवार को उपस्थित रहने का निर्देश दिया, क्योंकि उसने आदेश पारित करने का प्रस्ताव दिया था। पीठ ने कहा कि देश को डॉक्टरों और सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल प्रोफेशनल्स की जरूरत है जबकि दूसरी तरफ सीटें खाली हैं। पीठ ने कहा, हम मुआवजे का भुगतान करने का आदेश पारित करेंगे। इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? पीठ ने एमसीसी के वकील से सवाल किया, क्या आप छात्रों और अभिभावकों के तनाव के स्तर को जानते हैं? शीर्ष अदालत ने एमसीसी को दो दिनों के दौरान अपना हलफनामा दायर करने की अनुमति देते हुए कहा, ये छात्रों के अधिकारों से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण मामले हैं।

शार्ट न्यूज

ओडिशा पुलिस ने एक वन्यजीव अपराधी को किया गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की एक टीम ने बौध जिले से 12 किलो 400 ग्राम वजन के एक जीवित पैंगोलिन के साथ एक वन्यजीव अपराधी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुये बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर एसटीएफ की एक टीम ने मंगलवार को बौध जिले के कंटामाला थाना अंतर्गत कंटामल-बालिगुड़ा रोड के बीच खूंटीगुरा गांव के पास बौध वन अधिकारियों की मदद से छापेमारी की और सोनपुर जिले के तरावा थाना क्षेत्र के निवासी वन्यजीव अपराधी को गिरफ्तार किया।उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से पास से जीवित पैंगोलिन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। उन्होंने बताया कि वन्यजीव अपराधी को जरूरी कानूनी कार्रवाई के लिए बौध वन प्रभाग के तहत कंटामल वन अधिकारियों को सौंप दिया गया है। जीवित पैंगोलिन को सुरक्षित अभिरक्षा के लिए प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) बौद्ध को सौंप दिया गया। इस मामले से संबंधित जांच जारी है।

महिलाओं को 1000 रुपये की मासिक पेंशन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

होशियारपुर। पंजाब की होशियारपुर पुलिस ने कल रात एक ऐसे ठग को गिरफ्तार किया है जिसने खुद को आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता बताकर कुछ महिलाओं को एक हजार रुपये की मासिक पेंशन दिलाने के नाम पर उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लिये थे। तलवारा पुलिस थाना प्रभारी हरगुरदेव सिंह ने बताया कि रकरी एवं आसपास के गांवों की कुछ महिलाओं को शक्ति कश्यप ने खुद को आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता बताकर 1000 रुपये की मासिक पेंशन शुरू करवाने का झांसा दिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने चार जून को कम से 50 महिलाओं के आधार कार्ड की प्रतियां लीं और बैंक फॉर्म भरवाए और अपने मोबाइल फोन पर लगे फिंगरप्रिंट स्कैनर पर उनके अंगूठे के निशान भी लिये। लीला देवी और दर्शना देवी बाद में जब अपने बैंक पैसे निकालने गयीं तो उन्हें पता चला कि उनके खाते खाली कर दिये गये थे। पुलिस के अनुसार आरोपी से 15000 रुपये बरामद किये गये हैं और फिंगरप्रिंट स्कैनर भी। मामले की जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब की सभी महिलाओं को 1000 रुपये की मासिक पेंशन आम आदमी पार्टी का प्रमुख चुनावी वायदा है।

मोहाली में कार में मिला व्यक्ति का शव

मोहाली। पंजाब के मोहाली क्षेत्र में आज सुबह कार से एक शव बरामद किया गया जिस पर गोली लगने का जख्म है। मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेकशील सोनी ने बताया कि प्रथम द्रष्टया यह खुदकशी का मामला लगता है। शव की शिनाख्त जलवायु विहार निवासी करनपाल शर्मा के रूप में हुई है। उनका शव एक कार में उनके निवास के नज़दीक मिला। शव के सिर में गोली लगने का जख्म है। जिस पिस्तौल से गोली चली थी, वह उसके दाहिने हाथ में पाई गयी। जांच में यह भी सामने आया कि गोली बेहद नज़दीक से चली है। कार से गोली का खोल भी बरामद हुआ है। सोनी के अनुसार मृतक की दाहिनी जेब में से नौ कारतूस भी बरामद किये गये हैं। इस सम्बंध में मामला दर्ज किया गया है तथा इसकी जांच की जा रही है।

कोयला संकट की मार बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ेगी : एआईपीईएफ

चंडीगढ़। ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन ने बुधवार को कहा कि थर्मल संयंत्रों पर आयातित कोयले का बोझ डालने के कारण बिजली उपभोक्ताओं को महंगी बिजली की मार पड़ेगी। एआईपीईएफ के प्रवक्ता विनोद गुप्ता के यहां जारी बयान के अनुसार ऊर्जा मंत्रालय के निर्देशानुसार भारतीय कोयले में आयातित कोयला मिश्रित करने से बिजली इस साल 70 पैसे से एक रुपये प्रति यूनिट महंगी होगी जो ईंधन अधिभार एडजस्टमेंट के रूप में उपभोक्ताओं पर थोपी जाएगी। राज्यों पर आयातित कोयले के कारण 24 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। गुप्ता के अनुसार हरियाणा के मामले में उपभोक्ताओं को 90 पैसे प्रति यूनिट की चपत लग सकती है क्योंकि हरियाणा ने नौ लाख मेट्रिक टन आयातित कोयला मंगवाया है। पंजाब ने डेढ़ लाख मेट्रिक टन इंडोनिशयाई कोयला मंगवाया है और कोल इंडिया से शेष कोयला आयातित करने को कहा है। एआईपीईएफ का आरोप है कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार कोविड महामारी के बाद बिजली और कोयले की मांग का अनुमान लगाने में विफल रही जिससे देश में कोयले का अभूतपूर्व संकट हो गया है। यह नौ महीनों में दूसरी बार है जब यह संकट हुआ है तथा मानसून में यह फिर हो सकता है।ज्यादा मांग और अपर्याप्त आपूर्ति के कारण ऊर्जा मंत्रालय ने राज्यों को कोयला आयातित करने के आदेश दिये हैं इसकी परवाह किये बिना कि बिजली संयंत्रों में आयातित कोयले के इस्तेमाल के क्या तकनीकी परिणाम हो सकते हैं। एआईपीईएफ के अनुसार अधिकांश संयंत्रों में कोयले के मिश्रण के लिए आवश्यक व्यवस्था नहीं है और इससे बॉयलर को नुकसान पहुंच सकता है।

आरामगंज पंचायत की बागडोर अब संभालेंगी महिलाएं

पन्ना। मध्यप्रदेश के जिले के अजयगढ़ जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत आरामगंज की बागडोर अब महिलाएं संभालेंगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस पंचायत से सरपंच सहित सभी 17 पंच महिला हैं जो निर्विरोध चुनी गई हैं। पन्ना जिले में यह इकलौती ऐसी पंचायत है जिसने महिलाओं की क्षमता पर भरोसा जताकर एक मिसाल कायम की है। पन्ना-आरामगंज पंचायत में कल से जश्न का माहौल है। महिलाओं की खुशी तो देखते ही बन रही है। गौरतलब है कि गांव के लोगों ने दलित महिला को एक राय होकर सरपंच चुना है। निर्विरोध सरपंच चुनी गई श्रीमती रजनी बाई (31 वर्ष) उत्साहित हैं। उनका कहना है कि पंचायत क्षेत्र के लोगों ने जिस तरह से मेरे ऊपर भरोसा किया है, उस भरोसे को हर हाल में कायम रखूंगी। पंचायत के विकास व गरीबों खासकर महिलाओं के कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ हम सब मिलकर करेंगे। लगभग 3 हजार की आबादी वाली आरामगंज पंचायत में कई छोटे-छोटे पुरवा आते हैं। जिनमें हर जाति वर्ग के लोग हैं। इस बार आरामगंज पंचायत अनुसूचित जाति पुरुष के लिए आरक्षित हुई थी, बावजूद इसके पंचायत क्षेत्र के लोगों ने एक राय होकर सरपंच से लेकर पंचों तक सभी महिलाओं को आगे किया है। पंचायत क्षेत्र में पांडे पुरवा, लौकिहा पुरवा, विश्रामगंज, गौरैया पुरवा, बंगलन व छिरियाई आते हैं। आरामगंज में जहां से रजनी बाई सरपंच चुनी गई हैं, वहां शत-प्रतिशत आदिवासी व हरिजन रहते हैं।

शिवराज से हार्टफुलनेस संस्थान के वैश्विक अध्यक्ष दाजी कमलेश पटेल ने की भेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से हार्टफुलनेस संस्थान के अध्यक्ष परमपूज्य दाजी श्री कमलेश पटेल जी ने निवास कार्यालय में भेंट की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री दाजी, सहज मार्ग परम्परा के चतुर्थ गुरू और हार्टफुलनेस संस्थान के वैश्विक मार्गदर्शक तथा अध्यक्ष हैं। संस्थान योग गतिविधियाँ, प्राकृतिक स्वास्थ्य चिकित्सा और ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। हार्टफुलनेस ध्यान पद्धति से ध्यान का अभ्यास करने से अल्प समय में ही आत्मिक शांति और प्रसन्नता का अनुभव होता है। मुख्यमंत्री ने भी परमपूज्य श्री दाजी के मार्गदर्शन में इस ध्यान पद्धति के अनुसार ध्यान किया। संस्थान द्वारा हरीतिमा विकास कार्यक्रम, मृदा एवं जल-संरक्षण, सौर ऊर्जा विकास और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा से संबंधित गतिविधियाँ विश्व के अनेक देशों में की जा रही हैं। संस्थान संयुक्त राष्ट्र संघ से मिल कर भी कार्य कर रहा है। चौहान ने संस्थान द्वारा बच्चों के बौद्धिक विकास, उनकी ग्रहणशीलता एवं उन्नत चेतना के विकास के लिए संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। प्रदेश की कुछ शालाओं में यह कार्यक्रम संचालित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। संस्थान के मार्गदर्शन में प्रदेश के चयनित पर्वतों पर वृक्षा-रोपण, जल-संरक्षण, जल के उपयोग, विलुप्त हो रही पादप प्रजातियों के संरक्षण और प्राकृतिक खेती संबंधित गतिविधियाँ संचालित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सौर ऊर्जा सहित क्लीन एवं ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में जारी गतिविधियों की जानकारी दी।

कश्मीर में कैसे आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे ओवरग्राउंड वर्कर्स, सुरक्षा बलों ने 250 को किया अरेस्ट

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में बीते कुछ महीनों में स्थानीय हिंदुओं और प्रवासी लोगों पर हमले तेज हुए हैं। इसके चलते सुरक्षा बल सतर्क हैं और अब ऐक्शन मोड में आ गए हैं। सुरक्षा बलों ने 250 ओवरग्राउंड वर्कर्स को अरेस्ट किया है, जो आतंकवादियों को मदद करते थे या फिर उन्हें जानकारी देते थे। इन लोगों को यूएपीए और पब्लिक सिक्योरिटी ऐक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। इनमें से ज्यादातर लोगों को जम्मू-कश्मीर से बाहर की जेलों में रखा गया है। इन लोगों पर ऐक्शन की शुरुआत बीते साल हुई थी। मई 2021 तक ही 150 लोगों को प्रशासन ने गिरफ्तार किया था।

लेकिन इनके आंकड़े में बीते 5 महीने में तेजी से इजाफा हुआ है। अकेले मई में ही करीब 50 लोगों को अरेस्ट किया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 2020 में 135 लोगों को अरेस्ट किया गया था। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने आतंकवादियों को मूवमेंट में मदद की। हथियारों की सप्लाई में मदद की और उन्हें रहने के ठिकाने दिलाए। ओवरग्राउंड वर्कर्स उन लोगों को कहा जाता है, जो आम नागरिक की तरह ही जिंदगी जीते हैं, लेकिन अंदरखाने आतंकवादियों के संपर्क में रहते हैं। आम लोगों की तरह ही नौकरी करने

और अन्य कामों में शामिल होने के चलते इनकी पहचान करना मुश्किल होता है।

ऐसे में ओवरग्राउंड वर्कर्स और भी खतरनाक हो जाते हैं। होम मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने इनके कामकाज को लेकर कहा कि ये लोग कोशिश करते हैं कि हमलावर की पहचान न हो सके। ज्यादातर हमलों में अब छोटे हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है, जिन्हें वह छिपाकर रखते हैं।

हर किसी की जांच करना सुरक्षा बलों के लिए संभव नहीं होता है। ऐसे में इन हथियारों को लेकर जाना आसान होता है। एक तरफ सुरक्षा बल कश्मीर में हिंसा को रोकने की कोशिशों में जुटे हैं तो वहीं केंद्र सरकार की ओर से इस बात की जांच की जा रही है कि आखिर इन घटनाओं में किसका हाथ है।

बता दें कि सुरक्षा बलों ने 24 मई को अवंतिपोरा में जैश-ए-मोहम्मद के टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था और 8 लोगों को अरेस्ट कर लिया था। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने आतंकियों को शरण दी, सुविधाएं मुहैया कराईं और हथियारों की भी सप्लाई करने का काम किया। इन लोगों ने आसिफ शेख और एजाज भट नाम के दो आतंकियों को हथियार मुहैया कराए थे।

इसके अलावा एक और ओवरग्राउंड वर्कर को 26 मई को एनआईए ने अरेस्ट किया था। इस शख्स पर सुजवां आतंकी हमले में शामिल होने का आरोप था, जिसकी पहचान आबिद अहमद मीर के तौर पर हुई थी।

हैदराबाद गैंगरेप : सरकारी वाहन में हुआ कांड

वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी करते हैं इस्तेमाल

हैदराबाद। हैदराबाद गैंगरेप मामले में नया खुलासा हुआ है। खबर है कि कथित अपराध में जिस वाहन का इस्तेमाल किया गया, वह सरकारी है। फिलहाल, पुलिस ने मामले में नामजद सभी 6 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। इनमें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन विधायक का बेटा और रिश्तेदार भी शामिल हैं। आरोपियों में चार नाबालिग हैं।

एजेंसी के अनुसार, सरकारी वाहन इनोवा में अपराध को अंजाम दिया गया था। मामले में वयस्क आरोपी सदुद्दीन ने कहा कि अपराध टोयोटा इनोवा क्रिस्टा में हुआ है। पुलिस ने एक फार्महाउस से वाहन को जब्त कर लिया है। खबर है कि यह वाहन एक महिला है, जिसके सियासी परिवार से संबंध

हैं। पता चला है कि इनोवा सरकारी वाहन के रूप में चिन्हित था, जिसका इस्तेमाल जाहिर तौर पर वक्फ बोर्ड के शीर्ष पदाधिकारी करते थे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अपराध के दौरान मर्सिडीज और इनोवा नाबालिग चला रहे थे। सूत्रों ने बताया कि कथित सामूहिक बलात्कार में इस्तेमाल हुए मर्सिडीज तेलंगाना विधायक की है। हालांकि, विधायक का कहना है कि अपराध के वक्त आरोपी कार में नहीं था।

क्या था मामला

पार्टी के लिए क्लब गई एक 17 वर्षीय की मुलाकात वहां एक लड़के से हुई थी। कथित तौर पर वह घर छोड़ने का वादा करने के बाद लड़के और उसके दोस्तों के साथ मर्सिडीज में निकल गई।

कुछ देर बाद ही वे नजदीक स्थित कैफे पहुंचे और शाम करीब 6.30 बजे वाहन बदलकर इनोवा में चले गए। इसके बाद कथित तौर पर लड़की को रोड नंबर 44 पर ले जाया गया और इनोवा में बलात्कार किया।

रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद उसे वापस शाम 7.30 बजे पब छोड़ा गया। आरोपियों ने वाहन को बंजारा हिल्स में पार्क कर दिया।

खास बात है कि यह हैदराबाद का पॉश इलाका है, जहां कई बड़े राजनेता, कारोबारी, अभिनेता और अन्य प्रभावशाली लोग रहते हैं।

इंफाल से मोरेह राजमार्ग पर पुलिस गश्त व्यवस्था

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 102 पर पाल्ले से मोरेह वाले हिस्से पर जीपीएस तकनीक आधारित राजमार्ग पर गश्त करने वाले पांच वाहनों को हरी झंडी दिखायी।

श्री सिंह ने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और संपूर्ण पुलिस बल की जनता को खासतौर से राजमार्ग पर सुरक्षा प्रदान करने के लिए सराहना की।

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य पुलिस बल ने पहले ही राजमार्ग के कांगपोकपी और सेनापति खंड पर सुरक्षा के लिए छह जीपीएस तकनीक वाले राजमार्ग गश्ती वाहनों को हरी झंडी दिखायी है।

उन्होंने कहा कि इसके बाद इसी तरह के गश्ती वाहनों को इंफाल-जिरिबम राजमार्ग पर तैनात किया जाएगा। राजमार्ग गश्ती वाहन प्रभावकारी सिद्ध हो रहे हैं और ये कांगपोकपी-सेनापति राजमार्ग खंड के साथ ड्राइवर और ट्रक चालकों तथा अन्य संकटपूर्ण घड़ी में नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे बदमाशों की जांच करने में सक्षम हैं।

श्री सिंह ने कहा कि इन गश्ती वाहनों के साथ पुलिस राजमार्ग पर फंसे किसी भी कार तथा ट्रक चालक की सहायता कर सकती है। कांगपोकपी-सेनापति राजमार्ग खंड पर मदद के लिए 9612700785 और टेंग्नौपाल-मोरेह खंड पर 8794427656 पर संपर्क किया जा सकता है।

शिल्पग्राम में बच्चों के लिये मूकाभिनय कार्यशाला 11 जून से

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से शिल्पग्राम में आगामी 11 से 21 जून तक 'मूकाभिनय' कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। केन्द्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि बच्चों का मूकाकिभनय कला के विभिन्न आयोमों से परिचित करवाने तथा स्वस्थ मनोरंजन के माध्यम से बच्चों को समाज और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाने के उद्देश्य से केन्द्र द्वारा 11 से 21 जून तक शिल्पग्राम के कला विहार में मूकाभिनय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला में वरिष्ठ रंगकर्मी व मूकाभिनय कलाकार विलास जानवे द्वारा बच्चों को मूकाभिनय विधा का आधारभूत ज्ञान करवाया जायेगा तथा कार्यशाला में मूक नाटकों पर विशेष रूप से कार्य किया जायेगा।

कर्नाटक में ऑनर किलिंग: दलित समुदाय के लड़के के साथ रिलेशन में थी बेटी, पिता ने गला घोंटकर मार डाला

नई दिल्ली। कर्नाटक के मैसूरु में ऑनर किलिंग एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां, एक पिता को 17 साल की बेटी का दलित समुदाय के लड़के साथ रिलेशन में रहना इतना नागवार गुजरा की उसने उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। यह मामला पेरियापटना तालुक के कागगुंडी गांव का है। बेटी की हत्या के आरोप में पुलिस ने पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

एजेंसी के मुताबिक, कॉलेज की छात्रा वोक्कालिगा समुदाय की थी और वह पड़ोस के गांव में दलित समुदाय के एक लड़के के साथ रिश्ते में थी। बेटी और लड़के के बीच रिश्ते को लेकर परिवार नाखुश था। परिवार ने अपने कई बार अपनी बेटी से उस लड़के के साथ दूरी बनाने को कहा था।

माता-पिता ने लड़के से दूरी बनाने के लिए कहा था

जब उसने अपने माता-पिता की बातों पर ध्यान नहीं दिया, तो पिता ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को खेत में फेंक दिया। मामले का जब खुलासा हुआ तो पुलिस ने लड़की के माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया। घटना को लेकर मैसूरु के एसपी चेतन ने कहा, दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। लड़की वोक्कालिंग समुदाय से थी और लड़की दलित समुदाय से है।% वहीं, घटना के बाद से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है।

जम्मू में आईआईएम के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे कोविंद

जम्मू। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद गुरुवार को यहां भारतीय प्रबंधन संस्थान के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

आईआईएम के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि संस्थान का पांचवां दीक्षांत समारोह यहां के कैनाल रोड पर गुलामी बाग स्थित सभागार में गुरुवार को आयोजित किया जाएगा।

कोविंद इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे तथा दीक्षांत समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते थे। उन्होंने बताया कि

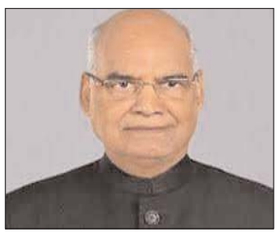

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा तथा केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह से सम्मानित अतिथि के तौर पर इस समारोह में शामिल होंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ के महानिदेशक डॉ. चंद्रजीत बनर्जी, दलित चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि कुमारा नारा भी इस समारोह में शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि आईआईएम जम्मू के बोर्ड ऑफ गवर्नर के अध्यक्ष डॉ. मिलिंद कांबले समारोह की अध्यक्षता करेंगे।आईआईएम जम्मू के निदेशक प्रो. बी.एस. सहाय संस्थान की उपलब्धियों पर निदेशक की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

प्रो. सहाय ने कहा, दीक्षांत समारोह का आयोजन एम.बी.ए. प्रोग्राम में स्नातक की उपाधि हासिल करने वाले छात्रों के लिए किया जा रहा है और संस्थान उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक है। हमें खुशी है कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद इस मौके पर उपस्थित रहेंगे और स्नातक के छात्रों को संबोधित करेंगे। इस साल आईआईएम जम्मू से कुल 214 छात्रों ने एमबीए में स्नातक की उपाधि हासिल की है। इस समारोह का मुख्य आकर्षण यह है कि इस साल 77 छात्राओं को उपाधि प्रदान की जाएगी। इस मौके पर श्री कोविंद आईआईएम जम्मू के विविधता प्रकोष्ठ का उद्घाटन करेंगे।

जनजाति समुदाय के बच्चों को शिक्षित कर योग्य बनाने का आह्वान

भरतपुर। राजस्थान के तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने जनजाति समुदाय से आव्हान किया कि वे बच्चों को पढ़ा लिखा कर योग्य बनाऐं जिससे युवा आगे चलकर देश एवं प्रदेश में समाज तथा क्षेत्र के विकास में भागीदार बन सकें। डा गर्ग आज भरतपुर के मुखर्जी नगर में क्षेत्रीय जनजाति विकास समिति द्वारा बनाये जा रहे मीना छात्रावास के नवीन भवन का पूजा अर्चना कर भूमि पूजन एवं शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भरतपुर में वर्षों से विवादित जमीन को मीना समाज के छात्रावास की भूमि का अनुमोदन कर निशुल्क पट्टा देकर ऐतिहासिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री द्वारा किये गए इस कार्य से मीना समाज के विद्यार्थियों को छात्रावास होने के बाद अध्ययन करने में सुविधा होगी।

एविएशन-हब के काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं: दुष्यंत

चंडीगढ़। हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे हिसार के 'एकीकृत विमानन-हब' के शेष कार्य निर्धारित अवधि में हर-हाल में पूरा करें तथा इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चौटाला ने आज यहां विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुये उन्हें ये निर्देश दिये। उन्होंने

परियोजना के निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और केंद्र सरकार से जुड़े कार्यों का भी फॉलोअप कर यथाशीघ्र पूरा करें।

उन्होंने कहा कि जीएलएफ हिसार तथा एचएपी की थर्ड बटालियन की जमीन को नागरिक उड्डयन विभाग को हस्तांतरित करने तथा उक्त फोर्स के लिए अन्य स्थान पर जमीन उपलब्ध करने के लिए प्रक्रिया जल्द शुरू करने के भी निर्देश दिये।

उप-मुख्यमंत्री ने परियोजना में एयरपोर्ट एवं उद्योगों के लिए सीएलयू देने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा आईएमसी प्रोजेक्ट के लिए पर्यावरण से सम्बंधित मंजूरी समय पर पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि हिसार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पेयजल उपलब्ध कराने और बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था करने के कार्य को प्राथमिकता दें।

उन्होंने एयरपोर्ट पर 33 केवी का सब-स्टेशन स्थापित करने, चारदीवारी एवं उस पर बाड़ लगाने, बरवाला रोड के वैकल्पिक रोड का निर्माण करने, हेंगर्स तैयार करने समेत करीब दो दर्जन मुद्दों पर चर्चा की और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता लाने पर जोर दिया।

खीर भवानी मंदिर में कम संख्या में पहुंचे कश्मीरी पंडित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की टारगेट किलिंग की बढ़ती घटनाओं के बीच गंदबल जिले के तुलमुला में बुधवार को खीर भवानी मंदिर में दर्शन के लिए पहले की तुलना में कम संख्या में कश्मीरी पंडित पहुंचे ।

दो साल के कोविड प्रतिबंध के बाद खुले मंदिर ज्येष्ठ माह की अष्टमी पर भव्य मेला लगता है। इस बार कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच भी श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे लेकिन इस बार यह संख्या काफ कम नजर आयी।

कश्मीरी संडित संघर्ष समिति(केपीएसएस) ने ट्वीट करके कहा बढ़ रही टारगेट किलिंग की घटनाओं और गैर कश्मीरी कर्मचारियों के अन्य जगहों पर भेजे जाने की मांग के कारण खीर भवानी मेला प्रशासन के लिए अहंकार का एक मुद्दा बन गया है। सरकार यह दिखाने पर आमादा है कि कश्मीरी में हालात सामान्य हो गये हैं। सत्तारूढ़ पार्टी खीर भवानी पूजा में शामिल होने के लिए कश्मीरी पंडितों को यहां लाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है।

प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए सभी तरह की व्यवस्थाएं की गयी हैं और सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किये गये हैं।

माता के दर्शन के लिए जम्मू से आयी एक बुर्जुग महिला ने 'यूनीवार्ता' से बात करते हुए उम्मीद जतायी कि इस बार वह खीर भवानी के दर्शन कर पायेंगी। उसने कहा, हमारे समुदाय के लोगों के खिलाफ हाल ही में कश्मीर घाटी में घटी घटनाओं के बावजूद माता ने हमें अपने दरबार में बुलाया है और हम यहां आये हैं। उन्होंने कश्मीर घाटी में फिर से शांति और समृद्धि के साथ साथ पुराना भाईचारा लौटने की प्रार्थना की ताकि कश्मीरियत को फिर से जिंदा किया जा सके।

भारतीय जनता पार्टी के नेता अशोक कॉल ने घाटी में अमन चैन और समृद्धि की कामना की और कहा कि आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लगायी जानी चाहिए। सरकार को इस पर सख्ती से काबू पाकर घाटी में अमन चैन कायम करना चाहिए।

हिंदू वेल्फेयर सोसायटी ऑफ कश्मीर के अध्यक्ष चुन्नी लाल ने कहा कि घाटी के हालात को देखते हुए वह आज खीर भवानी के दर्शन के लिए नहीं जा सके। उन्होंने आशंका जतायी कि मंदिर में इस बार कम ही श्रद्धालु पहुंचेंगे क्योंकि घाटी में हालात काफी खराब हैं।उन्होंने कहा, हम बिना किसी डर के शांति से रहना चाहते हैं। पिछले 35 साल से हम यह बरबादी देख रहे हैं हमारे बच्चे डर के साये में जी रहे हैं उन्होंने तो अभी तक शांतिपूर्ण तरीके से जीवन जीना किसे कहते हैं यह देखा ही नहीं हैं।

कश्मीरी मंडितों ने खीर भवानी मेले का बहिष्कार नहीं किया है लेकिन हालात को देखते हुए वह अपने घर से बाहर नहीं निकले हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार लोगों और विशेष रूप से कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा मुहैया कराये।

जब लोग सुरक्षित महसूस करेंगे तो खुद ही बाहर निकलेंगे और बाहर आकर कहेंगे कि उनकी चिंता करने वाला कोई है लेकिन अगर ऐसा नहीं हो पाया तो यह प्रशासन की असफलता है।

19 कश्मीरी हिंदू परिवारों को 32 साल से चंडीगढ़ में घर मिलने का इंतजार

एजेंसी

चंडीगढ़। जम्मू-कश्मीर से नब्बे के दशक में पलायन करने वालों में से 19 कश्मीरी हिंदुओं के परिवार ऐसे भी हैं जिन्हें आज तक चंडीगढ़ में घर नहीं मिला।

यह जानकारी लॉयर्स फॉर ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल के महासचिव एडवोकेट नवकिरण सिंह ने यहां एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस समय जब जम्मू-कश्मीर में हिंसा/हत्याओं के कारण कश्मीरी हिंदू संकट में हैं, एक ठोस नीति बनाई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड ने यह स्वीकार करने के बावजूद कि जम्मू-कश्मीर से पलायन कर आए 19 परिवार मकान आवंटन के पात्र हैं, कुछ ठोस नहीं किया और हाउसिंग बोर्ड और चंडीगढ़ प्रशासन एक दूसरे पर मामला धकेलते रहे हैं। एडवोकेट सिंह ने कहा कि ऐसा भी नहीं है कि मकान इन्हें कोई मुफ्त दिया जाना है। मकान बाजार दर पर ही दिया जाना है, केवल लॉटरी के बजाय सीधे आवंटित किया जाना है।

उन्होंने बताया कि एक मामले में उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में 2017 में याचिका दाखिल की हुई है लेकिन उस पर सुनवाई नहीं हुई है।

एडवोकेट नवकिरण सिंह के अनुसार यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है और केंद्र सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन को प्रभावी कदम उठाकर सुनिश्चित करना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर से पलायन करने वाले लोगों को इस तरह बसाना चाहिए कि वह सम्मान के साथ कानूनी ज़रियों से अपनी आजीविका कमा सकें।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वह खुद को सुरक्षित महसूस कर जीवन जी सकें।

शार्ट न्यूज

पैगंबर पर टिप्पणी : नुपुर शर्मा की जुबान काटकर लाने पर 1 करोड़ का इनाम, भीम सेना का ऐलान

गुरुग्राम। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस विवाद में अब भीम सेना भी कूद पड़ी है। भीम सेना चीफ नवाब सतपाल तंवर ने बुधवार को नूपुर शर्मा की जीभ काटकर लाने वाले को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। भीम सेना ने कानपुर हिंसा का नूपुर शर्मा के मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया है। भीम सेना के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष नवाब सतपाल तंवर ने आरोप लगाते हुए कहा कि नूपुर शर्मा ने नबी का अपमान किया है, जिससे करोड़ों मुस्लिम समुदाय के लोग आहत हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार जानबूझ कर नूपुर शर्मा को गिरफ्तार नहीं कर रही है। तंवर ने योगी सरकार पर भी सवाल उठाए कि कानपुर दंगे की असली मास्टरमाइंड नूपुर शर्मा है तो ऐसे में योगी सरकार ने उसको आरोपी क्यों नहीं बनाया। सतपाल तंवर ने कहा कि नूपुर शर्मा जैसी नेता को समाज में रहने का कोई अधिकार नहीं है। इसे तुरंत जेल भेजना चाहिए या देश निकाला दे देना चाहिए। उनका कहना है कि नूपुर शर्मा द्वारा की गई इस आपत्तिजनक टिप्पणी से भारत पूरे दुनिया जगत में बदनाम हो रहा है। गौरतलब है कि पिछले दिनों नुपुर शर्मा ने एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। चौतरफा दबाव के बाद भाजपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया है। नुपुर शर्मा को कई कट्टरपंथी धमकी भी दे रहे हैं। नुपुर पर बढ़े खतरे के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की है।

गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक में छठी मंजिल से कूदी कारोबारी की पत्नी, डिप्रेशन में थी महिला

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक की लबोनी सोसाइटी में बुधवार तड़के कारोबारी की पत्नी ने छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची विजयनगर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के मुताबिक महिला डिप्रेशन में रहती थी। आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। विजयनगर एसएचओ योगेंद्र मलिक ने बताया कि क्रॉसिंग रिपब्लिक की लबोनी सोसाइटी में छठी मंजिल पर कारोबारी राजीव छाबड़ा परिवार के साथ रहते हैं। बुधवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनकी पत्नी सुमन छाबड़ा (56) ने बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। जमीन पर गिरकर चीख निकलने के बाद सोसाइटी के सिक्यॉरिटी गार्ड मौके पर पहुंचे तो सुमन छाबड़ा पड़ी हुई थी। सूचना पर परिवार के सदस्य उन्हें आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसएचओ का कहना है कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने बताया है कि सुमन छाबड़ा डिप्रेशन में रहती थीं। संभवत- इसी के चलते उन्होंने आत्महत्या की है। फिर भी मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

नोएडा में चला बुलडोजर, ध्वस्त किए गए 50 से ज्यादा अवैध फार्म हाउस

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने बड़ी कार्यवाही करते हुए सेक्टर 135 डूब क्षेत्र में बने फार्म हाउस पर बुलडोजर चलाया। दर्जनों की संख्या में बने अवैध फार्म हाउस पर बुलडोजर चला। इस मौके पर बड़ी संख्या में जेसीबी ओर प्राधिकरण के कर्मचारी ओर अधिकारी मौजूद रहे। वही भारी पुलिस बल भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि अब तक लगभग 50 फार्म हाउस पर की ध्वस्तीकरण किया जा चुका है। प्राधिकरण सर्किल अधिकारी ने बताया की डूब एरिया के सेक्टर 135 गांव असदुल्लापुर, नगली वाजिदपुर में सुबह 10 बजे से करवाई जारी है। ये सभी फार्म हाउस निर्माणाधीन है।

वायु गुणवत्ता पैनल ने दिल्ली-एनसीआर में कोयले के उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक जनवरी, 2023 से पूरे दिल्ली-एनसीआर में औद्योगिक, घरेलू और अन्य कार्यों में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि, ताप बिजली संयंत्रों में कम सल्फर वाले कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध से छूट दी गई है। सीएक्यूएम ने तीन जून को जारी एक आदेश में कहा कि कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध एक अक्टूबर से पीएनजी बुनियादी ढांचे और आपूर्ति वाले क्षेत्रों में तथा एक जनवरी, 2023 से उन क्षेत्रों में लागू होगा जहां पीएनजी आपूर्ति अब भी उपलब्ध नहीं है। सीएक्यूएम ने कहा, अगले साल एक जनवरी से पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ईंधन के रूप में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

जामिया नगर की इलेक्ट्रिक मोटर पार्किंग में भीषण आग, कई गाड़ियां जलकर खाक

नई दिल्ली। दिल्ली के जामिया नगर स्थित इलेक्ट्रिक मोटर पार्किंग में बुधवार को अचानक भीषण आग लग गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की जा रही है। बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा के चार्जिंग पॉइंट से चिंगारी निकलने के चलते आग लगी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा से मिली जानकारी के मुताबिक, आग लगने की इस घटना में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। हादसे में 10 कारें, 1 मोटरसाइकिल, 2 स्कूटी, 30 नए ई-रिक्शा और 50 पुराने ई-रिक्शा जलकर राख हो गए। इससे पहले मंगलवार को नॉर्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय के एक कमरे में आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय के प्राइवेट ब्रांच एक्सचेंज (पीबीएक्स) के कमरे में बुधवार सुबह आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया।

जामिया नगर में दर्जन भर कुत्तों को बेरहमी से मार डाला, मौत से पहले किया टार्चर

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जोगाबाई इलाके में एक दर्जन से ज्यादा कुत्तों की बेरहमी से हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। कुत्तों की हत्या करने से पहले उन्हें टॉर्चर भी किया गया। कुछ कुत्तों की आंखें निकाल ली गई हैं। मंगलवार को करण पुरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक दिव्या पुरी ने जामिया नगर थाने में शिकायत की है। पुलिस जांच में जुटी है। पशु अधिकारों के लिए काम करने वाली दिव्या पुरी ने अपनी शिकायत में बताया है कि उनके साथ काम करने वाली एक वालेंटियर 15 दिन से लगातार फोन कर रही थी। वालेंटियर का कहना है कि जोगाबाई एक्सटेंशन में आठ से 10 साल के बच्चों का ग्रुप है, जो रोजाना कुत्तों और उनके बच्चों की हत्या कर रहा है। यह ग्रुप बेसहारा कुत्तों व उनके बच्चों को पकड़कर धोबीघाट के पास ले जाता है और वहां उन्हें मार देता है। मंगलवार को दिव्या थाने पहुंची जामिया नगर थाना पुलिस शिकायत दी। दिव्या ने बताया कि उनके वालेंटियर ने बताया कि दर्जनभर कुत्ते व उनके बच्चे गायब हैं। कई के शव मिल चुके हैं। पुलिस जांच कर रही है।

सत्येंद्र जैन को बदनाम करने की साजिश : 'आप'

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के घर से कुछ नहीं मिला है, सिर्फ़ उनको बदनाम करने की साजिश रची गई है। 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि श्री जैन के घर से ईडी को कुछ भी नहीं मिला है। ईडी ने श्री जैन को इतने दिनों से अपनी कस्टडी में रखा और पूछताछ की, लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ। उनके परिवार का उत्पीड़न करने के लिए उनके घर पहुंच गए। घर में पत्नी और बच्चे थे। सारे ईडी के अधिकारी एक दिन बैठे रहे। उनके छापे में क्या निकला ? कल से हल्ला मचाया जा रहा है कि इतने करोड़ रुपए और ज्वैलरी मिल गई। उन्होंने कहा, भाजपाइयों से कहना चाहूंगा कि थोड़ा पढ़ लिख लिया करें और अपने दिमाग पर भी थोड़ा जोर दिया करो।

श्री हरिमंदिर साहिब में खालिस्तानी नारे लगाने वालों के खिलाफ कारवाई को लेकर भारत के गृहमंत्री को मिले वीरेश शांडिल्य

एटीएफआई प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने घल्लूघारा के नाम पर पंजाब का माहौल खराब करने वालों के खिलाफ एनआईए से जांच करवाने की मांग की, गृहमंत्री अजय मिश्रा को दिए ज्ञापन में शांडिल्य ने कहा कि खालिस्तानियों के पीछे विदेशी फंडिंग व पाकिस्तान के आतंकी संगठन व आईएसआई का हाथ

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य आज भारत के गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा से मिले और घल्लूघारा दिवस के नाम पर श्री हरिमंदिर साहिब परिसर में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाकर दरबार साहिब की पवित्रता भंग करने वाले दल खालसा व अन्य कट्टरपंथियों के खिलाफ कारवाई को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव व हिमाचल प्रभारी संजय खन्ना, फ्रंट के राष्ट्रीय महासचिव व चंडीगढ़ प्रभारी अंकुश उप्पल, पंजाब के प्रधान लखविन्द्र सिंह साधापुर, हरियाणा के प्रधान कुलवंत सिंह मानकपुर, दिल्ली के प्रधान एडवोकेट राकेश शर्मा, फ्रंट के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजीव सेठ, लीगल सेल राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट साहिल अमरनाथ गर्ग मौजूद थे।

वीरेश शांडिल्य ने भारत के गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा को सौंपे ज्ञापन में कहा कि पंजाब में बड़े स्तर पर आतंकवाद लाने की फिर से साजिश शुरू हो चुकी है और जो जरनैल सिंह भिंडरावाला समर्थक सिमरनजीत सिंह मान व दल खालसा के कट्टरपंथियों ने श्री दरबार साहिब की गरिमा को खंडित किया जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई। इसलिए घल्लूघारा के नाम पर पंजाब पुलिस को नीचा दिखाने के लिए जो अमृतसर में जलूस निकाला गया वह पंजाब में आतंकवाद की वापसी के संकेत है और इस साजिश में पाकिस्तानी आतंकवादी व आईएसआई का हाथ सहित बब्बर खालसा व भिंडरावाला टाइगर फ़ोर्स का हाथ है और खालिस्तानी मुहिम चलाने वालों को विदेशों से फंडिंग हो रही है।

गृह राज्य मंत्री को सौंपे ज्ञापन में शांडिल्य ने कहा कि इस देश सहित पंजाब की अमन और शांति को वर्तमान पंजाब सरकार बचा नहीं

सकती इसलिए तुरंत अमित शाह के नेतृत्व में पंजाब के माहौल को बचाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को आगे आना होगा और इसके लिए एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के तमाम कार्यकर्ता केंद्र सरकार के साथ है।

वहीँ वीरेश शांडिल्य ने गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा से मांग कि यदि पंजाब व देश को आतंकवाद, गैंगस्टर से बचाना है तो देश में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) के थाने बनाने होंगे क्योंकि भारत सहित पंजाब में फ़ैल रहे आतंकवाद व गैगस्टरो के पीछे पकिस्तान व अन्य आतंकी संगठनो का हाथ है और एनआईए थाने बनाने की शुरुआत पंजाब से हो।

शांडिल्य ने गृह राज्य मंत्री को सौंपे ज्ञापन में कहा कि गायक सिद्धू मूसेवाला की मौत पंजाब में फिर से काले दौर की शुरुआत है और इस चिंगारी को केंद्र ने ना रोका तो पंजाब सहित देश में आतंकवाद फैलेगा।

एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने गृह मंत्री अजय कुमार मिश्रा को सौंपे ज्ञापन में कहा कि उनका संगठन देश में एक मात्र संगठन है जो आतंकवाद के खिलाफ दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक आतंकवाद विरोधी रथयात्रा निकाल चुका है और जिन आतंकवादियों ने पंजाब के मुख्यामंत्री बेअंत सिंह को मौत के घाट उतारा उनके खिलाफ चंडीगढ़ बुडेल जेल ब्रेक करने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में सीबीआई जाँच के लिए याचिका दायर की थी जिस पर हाईकोर्ट ने ऐतिहासिक फैंसला दिया था द्य यहीं नहीं जब बेअंत सिंह के हत्यारे बब्बर खालसा के चीफ कमांडर जगतार सिंह हवारा को तिहाड़ जेल से बाय रोड चंडीगढ़ व रोपड़ की अदालतों में लाया जाता था तो तब भी उनके एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी कि जब यह आतंकवादी जेल में सुरंग खोद कर भाग सकते है तो इनके लिए रोड से भागना कितना मुश्किल है जिस पर हाई कोर्ट ने इन आतंकवादियों की वीडियो कॉन्फ़्रेंसिंग के आदेश दिए थे। वहीँ सौंपे ज्ञापन में बताया कि जब पंजाब में उस जरनैल सिंह भिंडरावाला का साहित्य बिक रहा था जिसने 1984 में भारतीय सेना के जवानों को शहीद किया उसके खिलाफ भी उनके संगठन ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की जिस पर डीजीपी पंजाब को हाईकोर्ट द्वारा कारवाई के आदेश हुए थे।

वहीँ शांडिल्य ने दिए ज्ञापन में कहा कि देश की संसद में खालिस्तान व जरनैल सिंह भिंडरावाला की मुहिम को रोकने के लिए तुरंत अमित शाह संसद में कानून लाएं कि खालिस्तान का नारा लगाने वाले, जरनैल सिंह भिंडरावाला की मुहिम चलाने वाले, संविधान विरोधी, तिरंगा विरोधी है तो उन्हें दशद्रोह के मामले में जेलों में डाला जाए।

वहीँ शांडिल्य ने कहा कि श्री दरबार साहिब में खालिस्तान व जरनैल सिंह भिंडरावाला जिंदाबाद के नारे लगाने वाले और आजादी मांगने वाले न केवल 10 गुरुओं के विरोधी है बल्कि हिन्दू-सिख भाईचारे के विरोधी है।

केजरीवाल सरकार सात सालों में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मूलभूत ढांचा भी नहीं बन सकी : आदेश गुप्ता

दिल्ली सरकार के स्कूलों में बच्चे तीन-तीन शिफ्टों में पढ़ने को मजबूर हैं : आदेश गुप्ता

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने ब्रिटिश हाई कमीशन से अपने यहां शिक्षा और स्वास्थ्य की मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए हाथ मिला कर मान लिया है कि उसने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई विकास नहीं किया है। केजरीवाल सरकार की प्रचार रूपी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था का यह हाल है कि दिल्ली में आज तक एक भी ना नया स्कूल बना और ना नया अस्पताल। आज कल केजरीवाल सरकार ने नया ट्रेंड अपनाया है कि कागजों पर किये गए कार्यों का कागजों में ही समझौता करने का। ब्रिटिश हाई कमीशन के साथ उनकी मुलाकात भी इसी बात का प्रमाण है। भाजपा तो शुरू से कहती रही है कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में छात्र तीन तीन शिफ्टों में पढ़ने को मजबूर है। मोहल्ला कलीनिक छुट्टे जानवरो का अड्डा बन गया है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि जिस तरह से शिक्षा के क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार हुआ है ठीक स्वास्थ्य विभाग भी उससे अछूता नहीं रहा है। मोहल्ला क्लीनिक बनाकर उसके नाम पर करोड़ो का भ्रष्टाचार केजरीवाल सरकार ने किया है।

सतेंद्र जैन का जेल के सलाखों के पीछे होना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। केजरीवाल और उनकी सरकार ने मोहल्ला क्लिनिक के नाम पर करोड़ो रूपये का गबन कर उन पैसों को पार्टी विस्तार और चुनावी पर्यटन में बहा दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग का सबसे बड़ी कमजोरी तो कोरोना काल के दौरान ही देखी जा चुकी थी, जब जंग लगें तालों से बन्द मोहल्ला क्लिनिक में ना जांच हो पाया और ना ही कोई इलाज। सबके सब केजरीवाल की नाकामी के पोल खोलते नजर आए।

आदेश गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया को तो शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने वाले जनक तक की संज्ञा दे दी है लेकिन कभी ये नहीं कहा कि अपने सात सालों के कार्यकाल में कितने शिक्षकों की भर्ती हुई और कितने नए स्कूल खोले गए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आज शिक्षको की बड़ी संख्या में कमी है और जब छात्र पूरा सब्जेक्ट तक नहीं पढ़ पा रहा है तो उसका सर्वांगीण विकास कैसे होगा, यह केजरीवाल से सबसे बड़ा सवाल है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बाकी अन्य विभाग में केजरीवाल सरकार पूरी तरह फिसडी साबित हुई है। शिक्षा क्षेत्र में केजरीवाल सरकार ने 2000 करोड़ रुपये का घोटाला किया है। इसलिए आज तक लोगों के बीच जाने की हिम्मत तक नहीं की। आज जब सभी सवाल उठा रहे हैं तो केजरीवाल नए पैंतरे अपना कर मुद्दे को भटका रहे हैं।

दिल्ली के जहांगीरपुरी में देर रात अचानक बरसने लगे पत्थर, बहस के बाद बढ़ी बात

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी में मंगलवार रात पथराव की घटना सामने आई है, जिसके चलते इलाके में तनाव फैल गया। घटना का सीसीवीटीव फुटेज सामने आया है, जिसमें कुछ लोग वाहनों पर पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात की यह घटना है, जब इलाके में जमकर पत्थरबाजी हुई। पत्थरबाजी की वजह आपसी झगड़ा बताया जा रहा है। वहीं, पुलिस ने इस मामले में दो आरोपों को गिरफ्तार भी किया है।

यह घटना जहांगीरपुरी के जे ब्लॉक की है। बताया जा रहा है कि वहन दो गुटों में किसी बात पर कहासुनी हो गई, जिसके बाद जमकर मारपीट हुई और देखते ही देखते दोनों पक्ष एक दूसरे पर पथराव करने लगे। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया में वायरल होने लगा है। फुटेज में लोगों को एक-दूसरे पर पथराव करते हुए देखा गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, महेंद्र पार्क थाना में 7 जून को रात करीब 10-45 बजे दिल्ली में झगड़े, तोड़फोड़ और पथराव के संबंध में दो पीसीआर कॉल मिलीं। पूछताछ करने पर पता चला कि जहीर नाम का शख्स अपने कुछ दोस्तों के साथ समीर और शोएब की तलाश में आई ब्लॉक आया था, जिनसे दो-तीन दिन पहले उनका झगड़ा हुआ था। वे कथित तौर पर नशे में थे और जब उन्हें कोई नहीं मिला तो उन्होंने कुछ पत्थर फेंके, जिसमें 3 वाहनों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए।

नार्थ वेस्ट के डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि झगड़े में कोई सांप्रदायिक एंगल नहीं है क्योंकि दोनों समूह एक ही समुदाय के हैं। उक्त घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पत्थर फेंकने वालों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनका नाम विशाल और वीरू है। बाकी लोगों की तलाश की जा रही है, जिन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

कोरोना के कहर से उबरा नोएडा, कारों की बिक्री बढ़ी

नोएडा। कोरोना काल के बाद ऑटो सेक्टर में रौनक लौट आई है। वाहनों की बिक्री में इजाफा हुआ है। यह वृद्धि 2018 में बिके वाहनों के करीब है। डीलरों का कहना है कि सेमीकंडक्टर चिप की मांग की तुलना में आपूर्ति कम नहीं होती तो कारों की बिक्री और होती।

जानकारी के मुताबिक वर्ष 2018 में 79037 निजी वाहनों की बिक्री हुई थी। वहीं, वर्ष 2020 में 61731 वाहन बिके थे। वर्ष 2021 में बिक्री में इजाफा हुआ और यह संख्या 72879 पर पहुंच गई। इस साल में निजी वाहनों की बिक्री अधिक है।

रोहन मोटर्स के टीम लीडर शिव प्रकाश ने बताया कि अर्टिगा सीएनजी पर 34 से 36 सप्ताह की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा कि इस कार पर लंबे समय से प्रतीक्षा चल रही है।

सागर मोटर्स के एजीएम सेल्स दीपक वर्मा ने बताया कि पंच में 40 हफ्ते की प्रतीक्षा है। वहीं सीएनजी टिगोर और टियागो पर 16 हफ्ते व हरियर पर आठ हफ्ते की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा कि मांग और आपूर्ति में अंतर है। इसकी एक वजह सेमीकंडक्टर चिप की कमी के कारण उत्पादन प्रभावित होना है।

व्यावसायिक वाहनों की बिक्री भी बढ़ी

वर्ष 2020 की तुलना में व्यावसायिक वाहनों की बिक्री बढ़ी है लेकिन यह वर्ष 2018 की तुलना में कम है। वर्ष 2020 में 3966 वाहन पंजीकृत हुए थे। वहीं इसके अगले साल यह संख्या 5066 रही थी। वर्ष 2018 में 9076 व्यवसायिक वाहन बिके थे।

कार डीलरों का कहना है कि कोरोना की पहली लहर के बाद निजी वाहनों की बिक्री अधिक हो रही है। इसकी एक वजह यह हो सकती है कि लोग निजी वाहनों में सफर करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। वही व्यावसायिक वाहनों में सफर कम होने के कारण इनकी बिक्री में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। एआरटीओ प्रशासन ने कहा कि निजी वाहनों का रोड टैक्स एक मुश्त जमा होता है, जबकि व्यावसायिक वाहनों का टैक्स तीन माह, छह माह और एक साल में जमा होता है।

रमेश बिधूड़ी ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 वर्ष पूर्ण होने पर ऐतिहासिक विकास कार्य की विस्तार से जानकारी दी

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी ने अपने सरकारी आवास 48 लोधी इस्टेट पर केन्द्र में मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 वर्ष पूर्ण होने पर प्रेस वार्ता कर सरकार के कार्य, उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और अपने संसदीय क्षेत्र में कराए गए ऐतिहासिक विकास कार्य की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर बिधूड़ी ने कहा कि भारत देश में आवश्यकताओं की पूर्ति ,गरीब कल्याण, विकास, सेवाभाव व सुशासन के उद्देश्य से कार्य करने वाली सरकार की आवश्यकता थी। वर्ष 2014 में भारत को मिले प्रधानमंत्री के रूप में भारत की धरोहर माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी। जिसके बाद से पिछले 8 वर्षों में समाज के हर वर्ग व अथर्व्यवस्था के हर क्षेत्र में काम हुआ है। 45.21 करोड़ जनधन खाते खुले जिनमें 22.6 लाख करोड़ पैसा सीधा गरीबों के खाते में पहुँचा जिससे भ्रष्टाचार खत्म हुआ। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11.5 करोड़ टॉयलेट बनवाए गए जिससे माताओं बहनों को खुले में शौच जाने से मुक्ति मिली। उज्जवला योजना से 9.1 करोड़ माताओं-बहनों को मुफ्त गैस सिलेंडर व चूल्हे दिए प्रदान किए गए जिससे उन्हें धुँए से होने वाली बीमारियों से निजात मिली। आयुष्मान भारत से 17.9 करोड़ लोग जुड़े और 3.28 करोड़ गरीब लोगों को लाभ मिला। 35 करोड़ लोगों को मुद्रा लोन मिला जिसमें 68 प्रतिशत महिलाएं और 50 प्रतिशत से अधिक एससी/एसटी/आबीसी हैं। कोविड में 80 करोड़ लोगों को 2 वर्ष तक मुफ्त अनाज व दिल्ली में 80 लाख को मिला लाभ मिला। 2.3 करोड़ परिवारों को पक्का मकान पीएम आवास योजना से मिला। 11 करोड़ छोटे किसानों को प्रति वर्ष 6000 रूपये किसान सम्मान निधि जिसमें अब तक 23 लाख करोड़ रू0 सीधे किसानों के खातों में पहुँचाए गए। ई-श्रम कार्ड योजना में 27.63 करोड़ मजदूर असंगठित क्षेत्र से जुड़े हैं और श्रमिकों व कामगारों की आथिर्क स्थिति को सुधारने के लिए उनकी वृद्धावस्था में सहायक श्रम योगी मानधन योजना जिसमें 60 वर्ष के बाद प्रतिमाह 3000 रू0 पेंशन मिलेगी। 32 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को स्वनिधि योजना से 10000 रूपये ब्याज मुक्त लोन दिया गया। मातृत्व वंदना योजना के अंतगर्त 2.78 करोड़ गभर्वती महिलाओं को 5000 रूपये पोषण हेतु दिए गए व मातृत्व अवकास 12 हफ्तों से बढ़ कर 26 हफ्तों का किया गया। जल जीवन मिशन के तहत 9.5 करोड़ परिवारों को नल से जल दिया गया। दिल्ली के लिए एक ऐतिहासिक फैसला जो पिछले 20 वर्षों से लटका पड़ा था, दिल्ली की 1731 अनधिकृत कॉलोनियों को पास कर के 40 लाख लोगों को मालिकाना दिलाना। बिधूड़ी ने पूर्व में रही सरकार की कार्यप्रणाली से अवगत कराते हुए कहा कि मेट्रो वर्ष 2000-2014 तक 248 कि.मी. थी और वर्ष 2014-2021 तक 550 कि.मी. 20 शहरों में है। इसी प्रकार वर्ष 2014 तक हवाई अड्डो की संख्या 74 थी और अब 2022 तक 140 हवाई अड्डे हैं उड़ान योजना (उड़े देश का आम नागरिक)।

2014 तक प्रतिदिन सड़क निमार्ण 11 कि.मी. था जो बढ़कर 2022 तक प्रतिदिन 37 कि.मी. है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्य-1947 से 2014 तक 7 एम्सए 16 आई.आई.टीए 723 विश्वविद्यालय व आई.आई.एम. 13 थे और 2014 से 2022 तक 15 एम्सए 7 आई.आई.टीए विश्वविद्यालय 320 और आई.आई.एम. 7 बनवाए गए, पिछले 70 वर्षों में और मोदी सरकार के 8 वर्ष में कार्यों की की गति क्या रही है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके बाद सांसद रमेश बिधूड़ी ने केन्द्र सरकार द्वारा दक्षिणी दिल्ली में कराये गए ऐतिहासिक विकास कार्य बताए, 25 करोड़ की लागत से कन्वेंशन सेन्टर, महिपालपुर फ्लाईओवर, छत्तरपुर में नए बालिका कॉलेज कार्य प्रगति पर है, 4 फेज मेट्रो कार्य प्रगति पर है, 550 करोड़ की लागत से दिल्ली में साइकिल ट्रैक के 63 कि0 दक्षिणी दिल्ली में पहले फेस का कार्य प्रारंभ, अम्बेडकर नगर में 400 बेड का अस्पताल, 3 रेलवे फुट ओवर ब्रिज, सरिता विहार अंडर पास, 863 एकड़ में ईको पार्क, बदरपुर में एम्स आयुर्वेद अस्पताल, 35 करोड़ की लागत से डी.एन.डी मीठापुर 6 लेन हाईवे, मुंबई हाईवे कार्य प्रगति पर है, 22 छठ घाट और 28 बारात घरों का निमार्ण कार्य। बिधूड़ी ने कहा कि मोदी है तो ही मुमकिन है का यह स्पष्ट उदाहरण है, कई दशकों से लम्बित कार्य जो असंभव लगते थे वह कार्य मोदी सरकार में संभव हुए हैं।

दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव अंशु प्रकाश को कोर्ट से झटका, सीएम केजरीवाल-सिसोदिया को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी (आप) के 9 अन्य विधायकों को बुधवार को सत्र अदालत से बड़ी राहत मिली। अदालत ने मारपीट मामले में केजरीवाल समेत अन्य को क्लीनचिट देने संबंधी निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली पूर्व मुख्य सचिव अंशु प्रकाश की याचिका खारिज कर दिया है।

राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल की अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया समेत अन्य को क्लीनचिट देने संबंधी फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि निर्णय को रद्द करने का कोई ठोस आधार नहीं है। वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री आवास पर नौकरशाह पर मुख्यमंत्री व अन्य विधायकों द्वारा हमले का आरोप लगा था। 30 मार्च को, प्रकाश ने अदालत में कहा था कि केजरीवाल और सिसोदिया एक साजिश के किंगपिन थे, जिसके कारण उनके साथ मारपीट की गई।

यह मामला 19 फरवरी, 2018 को केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर एक बैठक के दौरान प्रकाश पर हुए कथित हमले से जुड़ा है। इस घटना ने दिल्ली सरकार और नौकरशही के बीच तीखी नोकझोंक शुरू कर दी थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान, प्रकाश के वकील ने तर्क दिया था कि निचली अदालत ने अपने फैसले में गलती की थी और दिल्ली सरकार ने अभियोजन पक्ष को बल द्वारा लिखित अनुरोध के बावजूद आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी थी। अंशु प्रकाश ने अपनी पुनर्विचार याचिका में कहा था कि केजरीवाल और सिसोदिया साजिश के सरगना थे, जिसमें 11 विशिष्ट विधायकों को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाया गया था। बैठक विशेष रूप से मुख्यमंत्री के ड्राइंग रूम में रखी गई थी, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अदालत में यह तर्क पेश किया। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव के आगमन से एक घंटे पहले विधायकों को उपस्थित होने के लिए कहा गया था और बैठक को बिना किसी एजेंडे के बुलाया गया था, जहां इस मुद्दे से संबंधित अधिकारियों / मंत्रियों को विशेष रूप से गोपनीयता बनाए रखने के लिए नहीं बुलाया गया था। अधिवक्ता लूथरा का कहना था कि अब वे मुख्य सचिव पर शारीरिक हमले की घटना को स्वीकार कर रहे हैं लेकिन साजिश के आरोपों से इनकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य आरोपमुक्त विधायक अमानतुल्ला खान और प्रकाश जारवाल को यह कहकर बलि का बकरा बना रहे हैं कि निचली अदालत ने दोनों विधायकों के खिलाफ सही आरोप तय किए हैं। अपनी पुलिस शिकायत में प्रकाश ने कहा कि आप के सत्ता में तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में विज्ञापन जारी करने में आ रही दिक्कतों पर चर्चा करने के लिए उन्हें आधी रात को केजरीवाल के आवास पर बुलाया गया था। उन्होंने दावा किया कि हमला मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और 11 अन्य विधायकों की मौजूदगी में आपराधिक रूप से डराने-धमकाने और कानूनी कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के इरादे से किया गया। आप ने इस दावे का खंडन किया और कहा कि बैठक उन कारणों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी कि लगभग 2 लाख 50 हजार परिवार आधार के दोषपूर्ण कार्यान्वयन के कारण पीडीएस के तहत राशन क्यों नहीं ले पाए।

संपादकीय

अब जरा उन पर भी कार्रवाई हो जाये जो हिंदू आस्था को चोट पहुँचा रहे हैं

मृत्युंजय दीक्षित

कांग्रेस सहित तमाम वामपंथी विचारक और छुटभय्ये दलों के तथाकथित नेता हिंदू समाज की आस्था का लगातार अपमान कर रहे हैं। यह हिंदू समाज की सहनशीलता और धैर्य ही है कि वह आज स्वयंभू विश्वेश्वर महादेव के मिल जाने के बाद ही कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा है। एक टीवी डिबेट में साथी पैनेलिस्ट के भगवान शिव पर बार-बार अमर्यादित टिप्पणी से उकसावे में आकर पैगंबर मोहम्मद पर की गयी टिप्पणी के बाद विवादों व कट्टर मुस्लिम समाज की सर तन से जुदा धमकियों में घिरी बीजेपी प्रवक्ता नुपूर शर्मा और एक अन्य प्रवक्ता नवीन जिंदल को भाजपा से छह वर्ष के लिए निलंबित कर दिया गया है जिसके बाद सोशल मीडिया सहित विभिन्न मंचों पर बहुत सारे भाजपा समर्थक व प्रशंसक नेतृत्व की ओर से की गयी कार्यवाही और पार्टी की ओर से जारी किये गये बयानों की तीखी आलोचना कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ताओं के निलम्बन से कई राजनैतिक संदेश जा रहे हैं जिससे प्रथम दृष्टया पार्टी को कुछ क्षणिक नुकसान भी हो सकता है लेकिन अभी फिलहाल ऐसी कोई आशंका नहीं है कि इस कार्यवाही से बीजेपी को कोई बहुत बड़ा नुकसान होने जा रहा है। भाजपा के इन कदमों से सबसे बड़ा राजनैतिक प्रश्न यह उठ रहा है कि क्या आक्रामक विरोध प्रदर्शनों, बयानबाजी, उसके नेताओं को जान से मारने की धमकियाँ और दंगे करवा कर भाजपा को दबाया जा सकता है या फिर सरकार व पार्टी के फैसलों को बदलवाया जा सकता है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा जेपी नड्डा के नेतृत्व वाली भाजपा तीसरी बार राजनैतिक दबाव के आगे झुकने को मजबूर हुयी है और उसे अपने दो होनहार प्रवक्ताओं से हाथ धोना पड़ा है। पहले शाहीन बाग हुआ जिसने दिल्ली को बंधक बनाया और कोरोना के कारण हट पाया, फिर तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने राजधानी दिल्ली को लम्बे समय तक बंधक बना लिया तब चुनावों को देखते हुए प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित करते हुए तीनों कृषि कानून वापस ले लिये थे, पुराना उदहारण लें तो जब भोपाल से भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर कुछ टिप्पणियां करी थीं तब उन पर कार्यवाही करते हुए उनके संसद में बोलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। लेकिन वर्तमान विवाद उपरोक्त से बिलकुल अलग है। भाजपा प्रवक्ता नुपूर शर्मा और नवीन जिंदल के बयानों से आहत कट्टरपंथी मुस्लिम समाज के नेता व संगठन लगातार दोनों नेताओं को लगातार धमकियां दे रहे हैं। नुपूर को रेप और हत्या की धमकियां मिल रही थीं तथा कुछ संगठनों ने तो उनका सिर कलम करने के लिए करोड़ तक का ईनाम भी घोषित कर दिया है। यह एक अजीब-सी बात है कि भाजपा आलाकमान ने इन विरोधियों के खिलाफ एक भी कड़ा बयान नहीं जारी किया था और न ही नुपूर को संगठन की ओर से कोई मदद दी जा रही थी। सर तन से जुदा का नारा देने वालों के इरादे कितने खतरनाक थे इस का पता तब चला जब प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जी का कानपुर दौरा था। जिस समय लखनऊ में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश की अच्छी कानून व्यवस्था का हवाला दे रहे थे ठीक उसी समय कानपुर में कुछ अराजक तत्वों ने योगी सरकार की छवि को खराब करने के लिए उचित समय जानकर नुपूर के बयान की आड़ लेकर कानपुर में एक पक्ष पर सुनियोजित आक्रमण कर दिया। पुलिस प्रशासन के तीखे तेवरों के कारण स्थिति पर शीघ्र ही नियंत्रण पा लिया गया। जिस समय टीवी चैनलों पर उप्र की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी और राष्ट्रपति जी कानपुर यात्रा का प्रसारण होना था उस समय कानपुर की हिंसा टीवी चैनलों पर छा गयी। कानपुर की हिंसा अराजक तत्वों और तुष्टिकरण करने वाले राजनैतिक दलों की एक सोची समझी साजिश का ही परिणाम थी। यहां पर सभी को यह बात जाननी चाहिए कि कानपुर हिंसा के बाद समाजवादी पार्टी ने हिंसा के लिए भाजपा प्रवक्ताओं के बयानों को ही जिम्मेदार ठहराया था और समाजवादी पार्टी, बसपा व कांग्रेस सहित सभी विरोधी दल केवल और केवल भाजपा प्रवक्ता को पार्टी से निकालने की बात कर रहे थे, किसी ने भी दंगाइयों के खिलाफ़ एक शब्द भी नहीं कहा।

पंजाब में कौन अलगाववाद को हवा दे रहा है?

ललित गर्ग

चालीस साल पहले जो पंजाब अलगाववाद एवं आतंकवाद की चपेट में था, अनेकों के बलिदान एवं प्रयासों के बाद पंजाब में शांति स्थापित हुई, उसी पंजाब में एक बार फिर अलगाववाद की चिंगारी सुलग उठी है। 'आपरेशन ब्लू स्टार' की अड़तीसवीं बरसी पर स्वर्ण मंदिर में खालिस्तान समर्थक नारे लगे। पंजाब के हालात बिगड़ते जा रहे हैं, पृथक खालिस्तान बनाये जाने की मांग उठ रही है, आम आदमी पार्टी के शासन में समूचे पंजाब में रह-रह कर आक्रामक, विघटनकारी, अलगाववादी आग सुलग रही है। ईमानदारी से सोचना होगा कि पंजाब में अलगाव को भड़काने का यह मौका कैसे मिला? किसने यह आग लगाई? पाकिस्तान का भी ध्यान कश्मीर के साथ-साथ अब पंजाब पर केन्द्रित है, वह पंजाब में अशांति, आतंकवाद एवं हिंसा भड़काने के नये-नये षड़यंत्र कर रहा है। पाकिस्तान अपने यहां प्रशिक्षित आतंकियों को पंजाब की सीमाओं से घुसपैठ करा कर या फिर यहां युवाओं को गुमराह कर अस्थिरता पैदा करने की लगातार कोशिश कर रहा है। इन हालातों में भड़कने और भड़काने से बचना होगा। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं से ऊपर उठकर सोचना होगा।

करीब महीना भर पहले ही पटियाला में 'सिख फार जस्टिस' के स्थापना दिवस पर रैली निकाली गई थी, जिसके विरोध में उतरे शिव सेना (बाला साहब) के कार्यकर्ताओं के साथ भिडंत हुई और खूब पत्थर चले, तलवारें लहराई गईं। रोपड़ स्थित मिनी सचिवालय परिसर के बाहर खालिस्तान के बैनर मिले। यहां उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालयों के अलावा जिला अदालतें भी हैं। परिसर की चारदीवारी के बाहर लगे पेड़ों पर बैनर लगाये गये। समूचा पंजाब ऐसी ही अराजकता एवं अलगाववाद से रू-ब-रू हो रहा है।

स्वर्ण मन्दिर में कट्टरपंथी सिख संगठनों के अलावा शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) ने भी हिस्सा लिया। अकाल तख्त के जत्थेदार ने 'सिख राज' की मांग उठाते हुए कहा कि इस बार सिख युवकों को बकायदा हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर खालिस्तान के समर्थन में तख्तियां लहराई गईं, कई युवा भिंडरावाले की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहन कर आए थे। तलवारें भी लहराई गईं। प्रश्न है कि आप की सरकार बनने के बाद ही ये अलगाववादी ताकतें क्यों सक्रिय हुई हैं? कहीं पंजाब सरकार के मन में अलगाववादी ताकतों को लेकर कोई सहानुभूति या पूर्वाग्रह की भावना तो नहीं। पंजाब विधानसभा चुनाव के वक्त आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर खालिस्तान समर्थकों से नजदीकी की बात क्या सच थी? अगर ऐसा है, तो यह न केवल पंजाब, बल्कि पूरे देश के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। भारत जैसे गणतंत्र में कोई भी राज्य इस तरह अलग होने या स्वतंत्र राज की मांग कैसे उठा सकता है?

सर्वविदित है कि खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथी संगठनों को विदेशों से बड़ी मात्रा में सहायता मिल रही है। किसान आन्दोलन के समय भी पंजाब के किसानों के दिल्ली की बार्डरों पर चले महिनों के प्रदर्शनों में इन्हीं भारत विरोधी विदेशी शक्तियों ने करोड़ों रूपयों की सहायता भेजी थी। तथ्य तो यह भी सामने आया कि सिख फार जस्टिस के नेता पन्नू के पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों से संबंध हैं। इन त्रासद स्थितियों का सामना देश की जनता कर रही है, साम्प्रदायिकता, अलगाववाद एवं आतंकवाद से देश को कमजोर करने वाले राजनैतिक दल किस तरह जनता को गुमराह करते हुए सत्ता पर काबिज हो जाते हैं, इसका उदाहरण पंजाब है। करीब चालीस साल पहले पंजाब अलगाववाद की आग में झुलस चुका है। बहुत सारे परिवार उजड़ गए, बहुत सारे युवक गुमराह होकर अपना भविष्य बर्बाद कर चुके। पंजाब की हरीमिता खून की लालिमा ओढ़ चुकी थी। बड़ी मुश्किल से पंजाब पटरी पर लौटा। अगर फिर से वहां वह आग भड़कती है, तो भयावह नतीजे भुगतने होंगे। हैरानी की बात है कि पंजाब में नई सरकार आने के बाद ही वहां अलगाववादी ताकतें क्यों सक्रिय हो उठी हैं।

तथाकथित राजनैतिक दलों द्वारा साम्प्रदायिक दंगे भारत की कुण्डली में स्थायी रूप से लिख दिये जाते हैं। दंगे सड़कों पर कम इन विकृत एवं सत्तालोलुप दिमागों में ज्यादा होते हैं, जिनसे जनमानस विकृत हो गया है। कमोबेश सभी लोग साम्प्रदायिक बन गये हैं। 'सम्प्रदायविहीनता एवं धर्म-निरपेक्षता'- लगता है शब्दकोश में ही रह जायेंगे। एक हत्या को दूसरी हत्या से रद्द नहीं किया जा सकता और दो गलतियाँ मिलकर कभी एक सही काम नहीं कर सकतीं। देश में अलग प्रान्त की मांग का एक ऐसा सिलसिला शुरू हो गया है जिसका कोई सिरा नजर नहीं आता। मांगों के साथ ही पूर्व नियोजित हिंसा शुरू हो जाती है। प्रान्त नहीं मानो मकान हो गये, जो अलगाववादी अपना अलग बनाना चाहता है। चारदीवारी पर छत डालकर दरवाजे पर शीघ्र अपनी नेम-प्लेट लगाने के लिए उत्सुक है। यह उन्माद देश की एकता, अखंडता, सार्वभौमिकता के लिए चुनौती है।

पंजाब में आतंकवाद जितना लम्बा चला, वह क्रोनिक होकर भारतीय जीवनशैली का अंग बन गया था। इसमें ज्यादातर वे युवक थे जो जीवन में अच्छा-बुरा देखने लायक बन पाते, उससे पहले उनके हाथों में एके-47 थमा दी जाती थी। फिर जो भी यह करते थे, वह कोई गुरबानी नहीं कहती। आखिर कोई भी पूज्य ग्रन्थ उनके साथ नहीं हो सकता जो उसके पवित्र पृष्ठों को खून के छींटों से भर दे। आज तक किसी आतंकवादी के मारे जाने पर या भाग जाने पर जो चीजें मिलीं, उनमें हथियार थे, शराब थी, अश्लील साहित्य था- लेकिन गुरबाणी का गुटका किसी के पास से नहीं मिला। एक बार फिर पंजाब के युवकों को गुरबाणी से दूर करने की कुचेष्टा हो रही है, जिसे नाकाम करना पंजाब ही नहीं, समूचे देश का दायित्व है। सोचने की बात है कि कहीं ये सत्ता के भूखे राजनेता महावीर, बुद्ध, गांधी और नानक के देश एवं प्रांत रूपी खूबसूरत बगिचे को कहीं अलगाव का प्रान्त, घृणा का मजहब, हिंसा की सड़क तो नहीं बना रहे हैं? अंधेरा कभी जीता नहीं जाता। किसी को भयभीत नहीं करके ही स्वयं भयरहित रहा जा सकता है।

पंजाब में सुलगती अलगाव की आग एवं हिंसक-अराजक घटनाएं केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के लिए गंभीर चिन्ता का विषय एवं चेतावनी हैं। पटियाला हिंसा के बाद राज्य सरकार ने जरूर उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का दम भरा था, कुछ कार्रवाइयां भी हुईं, पर उसका कोई सख्त संदेश नहीं जा पाया। उसी का नतीजा है कि स्वर्णमंदिर परिसर में फिर से अलगाववाद की आग भड़काने का प्रयास किया गया। अब भी वहां की सरकार सख्त नजर नहीं आ रही है। अगर सिख फार जस्टिस और दूसरे कट्टरपंथी, अलगाववादी संगठनों के प्रति नरम रवैया अपनाया गया और वे इसी तरह अपना दायरा बढ़ाते गए, तो उनके जरिए पाकिस्तान जैसे देश अपने मंसूबे पूरे करने की कोशिश करेंगे। आतंकवाद पर नकेल कसना पहले ही सरकार के सामने बड़ी चुनौती है, तिस पर एक शांत हो चुके मामले की राख कुरेद कर कोई फिर से आग जलाने का प्रयास करे, तो यह नई परेशानी खड़ी कर सकता है। यह वहां की सरकार की बड़ी नाकामी मानी जाएगी। हालांकि इन घटनाओं को लेकर केंद्र सरकार को भी सावधान हो जाने की जरूरत है। पंजाब के शांति, अमन, राष्ट्रीय एकता एवं सौहार्द को कायम रखना पंजाब सरकार की प्राथमिकता तो बने ही और केंद्र सरकार भी इसके लिये सतर्क एवं सावधान हो जाये। केन्द्र एवं प्रांत के बीच की दलगत प्रतिद्वंद्विता कहीं देश की सुरक्षा को आहत करने का माध्यम न बन जाये। अब पंजाब को शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा देने की नहीं, बल्कि उसे सामने घटित करने की जरूरत है। इस नये उभरते अभूतपूर्व संकट के लिए अभूतपूर्व समाधान खोजना होगा। जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी हैं, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर। अन्यथा वक्त इसकी कीमत सभी दावों व सभी लोगों से वसूल कर लेगा।

पहले माई-बाप समझी जाती थी सरकार, पिछले 8 सालों से यह जनता की सेवक बन गयी है

प्रो. संजय द्विवेदी

जीवन में जब हम बड़े लक्ष्यों की तरफ आगे बढ़ते हैं, तो कई बार ये देखना भी जरूरी होता है कि हम चले कहां से थे, शुरुआत कहां से की थी। और जब उसको याद करते हैं, तभी तो हिसाब-किताब का पता चलता है कि कहां से निकले और कहां पहुंचे, हमारी गति कैसी रही, हमारी प्रगति कैसी रही, हमारी उपलब्धियां क्या रहीं। किसी सरकार के लिए पूर्ण बहुमत के साथ 8 साल का समय पूरा करना भी ऐसा ही पुनर्मूल्यांकन का समय है। लेकिन इसके लिए 2014 से पहले के दिनों को याद करना भी आवश्यक है, तब जाकर आज के दिनों का मूल्य समझ आएगा।

वर्ष 2014 से पहले अखबार की सुर्खियों में किसकी बात होती थी? टेलीविजन चैनलों में किसकी चर्चा होती थी? आज वक्त बदल चुका है। आज चर्चा होती है सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ की। आज चर्चा होती है दुनिया में भारत के स्टार्टअप की, आज चर्चा होती है भारत के %ईज ऑफ डूइंग बिजनेस% की, आज चर्चा होती है भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के साथ आगे बढ़ने की। आज चर्चा जन-धन खातों से मिलने वाले फायदों की हो रही है, जनधन-आधार और मोबाइल से बनी त्रिशक्ति की हो रही है। पहले रसोई में धुआं सहने की मजबूरी थी, आज उज्ज्वला योजना से सिलेंडर पाने की सहूलियत है। पहले खुले में शौच की बेबसी थी, आज घर में शौचालय बनवाकर सम्मान से जीने की आजादी है। पहले इलाज के लिए पैसे जुटाने की बेबसी थी, आज हर गरीब को आयुष्मान भारत का सहारा है। पहले ट्रिपल तलाक का डर था, अब अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने का हौसला है। 2014 से पहले देश की सुरक्षा को लेकर चिंता थी, आज सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक का गर्व है, हमारी सीमा पहले से ज्यादा सुरक्षित है। पहले देश का नॉर्थ ईस्ट अपने असंतुलित विकास से, भेदभाव से आहत था।

आज हमारा नॉर्थ ईस्ट दिल से भी जुड़ा है और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से भी जुड़ रहा है। सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण के लिए बनी योजनाओं ने लोगों के लिए सरकार के मायने ही बदल दिए हैं। अब सरकार माई-बाप नहीं है, अब सरकार सेवक है। अब सरकार जीवन में दखल देने के लिए नहीं, बल्कि जीवन को आसान बनाने के लिए काम कर रही है।

हम लोग अक्सर सुनते हैं कि सरकारें आती हैं, जाती हैं, लेकिन सिस्टम वही रहता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने इस सिस्टम को गरीबों के लिए ज्यादा संवेदनशील बनाया और उसमें निरंतर सुधार किए। पीएम आवास योजना हो, स्कॉलरशिप देना हो या फिर पेंशन योजनाएं, टेक्नोलॉजी की मदद से भ्रष्टाचार का स्कोप कम से कम कर दिया है। जिन समस्याओं को पहले %स्थाई% मान लिया गया था, अब उसके स्थाई समाधान के प्रयास हो रहे हैं। जब सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का लक्ष्य हो, तो कैसे काम होता है, इसका एक उदाहरण है डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) स्कीम। इस योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खाते में सीधे 21 हज़ार करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। ये हमारे छोटे किसानों की उनके सम्मान की निधि हैं। बीते 8 साल में ऐसे ही डीबीटी के जरिए सरकार ने 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सीधे देशवासियों के अकाउंट में ट्रांसफर किए हैं। और ऐसा नहीं हुआ कि 100 पैसे भेजे, तो पहले 85 पैसे लापता हो जाते थे।

उबर कैब में आधार कार्ड से लेकर केक तक भूल जाते हैं यात्री, मुंबई सबसे भुलक्कड़ शहर: रिपोर्ट

पिछले साल पूरे भारत में उबर कैब में छूटे हुए सामानों की सूची में फोन, स्पीकर / हेडफोन, पर्स और बैग सबसे ऊपर थे। अन्य वस्तुओं में किराने का सामान, थर्मस / पानी की बोतलें और फोन चार्जर शामिल थे। उबर कैब से यात्रा के दौरान बहुत से यात्री अपना सामान भूल जाते हैं। इन वस्तुओं में आधार कार्ड, पांच किलो का डंबल, कॉलेज कस प्रमाणपत्र और जन्मदिन का केक भी शामिल है। ऐप आधारित कैब सेवाएं देने वाली कंपनी उबर की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में मुंबई 'सबसे भुलक्कड़ शहर' है। पिछले साल पूरे भारत में उबर कैब में छूटे हुए सामानों की सूची में फोन, स्पीकर / हेडफोन, पर्स और बैग सबसे ऊपर थे। अन्य वस्तुओं में किराने का सामान, थर्मस / पानी की बोतलें और फोन चार्जर शामिल थे। उबर द्वारा जारी 'लॉस्ट एंड फाउंड इंडेक्स' के 2022 संस्करण के अनुसार, ''सामान्य चीजों को भूलने के अलावा, लोग घेवर (गुजरात की प्रसिद्ध मिठाई), बांसुरी, आधार कार्ड, डंबल, बाइक का हैंडल, क्रिकेट बैट, स्पाइक गार्ड और कॉलेज प्रमाणपत्र जैसी चीजें भी कैब में छोड़ जाते हैं।'' उबर ने एक बयान में कहा, ''मुंबई ने लगातार दूसरी बार देश के सबसे भुलक्कड़ शहर का खिताब हासिल किया है। वहीं दिल्ली-एनसीआर और लखनऊ भी भूलने वाले शहरों में सबसे आगे हैं। भारतीयों दोपहर को एक से तीन बजे के दौरान सबसे अधिक कैब में अपना सामान छोड़ते हैं। उबर इंडिया के केंद्रीय परिचालन के निदेशक नीतीश भूषण ने कहा, ''हम पाते हैं कि किसी वस्तु को खोना तनावपूर्ण हो सकता है लेकिन अगर आप वस्तु को उबर में यात्रा के दौरान खोते हैं तो आपके पास हमेशा उसे पाने का विकल्प होता है।''

बाल श्रम के नासूर का उन्मूलन आवश्यक

पुखराज प्राज

अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार देना प्रत्येक पालक की इच्छा होती है। कुछ हालातों के मार के कारण, तो कुछ आवश्यकताओं और लोगों के फायदे वाली मानसिकता के बीच पीस जाते है। वर्तमान समय में बाल श्रम की ज्वलंत समस्या से जूझ रहे हमारे देश में एक और चौकाने वाले आंकड़े सामने आये हैं। न्यूज़ 18 की 12 जून 2021 एक रिपोर्ट बताती है कि, वर्ष 2022 भारत में 5 से 14 साल के बच्चों की कुल संख्या 25.96 करोड़ है। इनमें से 1.01 करोड़ बच्चे हैं जो श्रम करते या इन्हें सीधे शब्दों में बाल श्रमिक कह सकते हैं। ये वो भीड़ है जो कामगार की भूमिका में हैं। इन आंकड़ों से ज्ञातव्य है कि 5 से 9 साल की उम्र के 25.33 लाख बच्चे काम करते हैं। 10 से 14 वर्ष की उम्र के 75.95 लाख बच्चे कामगार हैं। ये बच्चे जो विभिन्न सेवा क्षेत्रों में कार्यरत हैं। बालश्रम की व्यथा को इंगित करती भारतीय सिनेमा में 1952 को आई चलचित्र बूट-पॉलीश का एक गीत जो शैलेंद्र जी ने लिखा था, नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है?, मुट्ठी में है तक़दीर हमारी। हम ने क़िस्मत को बस में किया है। चलचित्र में भोला और बेलू दो भाई बहनों की कहानी में माता के स्वर्गवास और पिता के कारावास के पश्चात् जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव, भूखमरी, बालश्रम और भिक्षावृत्ति के इर्दगिर्द बुनी गई इस कहानी का सुखांत दोनों को विद्यालय जाते दिखाया गया है। इस चलचित्र की प्रासंगिकता आज की बाल श्रम समस्या को इंगित करती ज्वलंत चादर ओढ़े नजर आ रही है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के 182वें कन्वेंशन के अनुच्छेद 3 के तहत बाल श्रम को परिभाषा के अनुसार, दासता के समान सभी प्रकार की दासता या प्रथाएं, जैसे बच्चों की बिक्री और तस्करी, ऋण बंधन और दासता और जबरन या अनिवार्य श्रम, जिसमें सशस्त्र संघर्ष में उपयोग के लिए बच्चों की जबरन या अनिवार्य भर्ती शामिल है। वेश्यावृत्ति के लिए, अश्लील साहित्य के उत्पादन के लिए या अश्लील प्रदर्शन के लिए बच्चे का उपयोग, खरीद या पेशकश। अवैध गतिविधियों के लिए बच्चे का उपयोग, खरीद या पेशकश, विशेष रूप से प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संधियों में परिभाषित दवाओं के उत्पादन और तस्करी के लिए। वह कार्य जो अपनी प्रकृति या जिन परिस्थितियों में इसे किया जाता है, बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा या नैतिकता को नुकसान पहुँचाने की संभावना है। वहीं भारत में केन्द्रीय बाल-श्रमिक (नियमन एवं नियंत्रण) अधिनियमानुसार 1986 कोई भी ऐसा श्रमिक जो 14 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं किया है, वह बाल श्रमिक माना जायेगा। बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं अनिवार्य शिक्षा के इस दौर में भी बढ़ते बाल श्रमिकों की संख्या चिंता का विषय है। बाल श्रम के परिप्रेक्ष्य में सन् 1953 इंग्लैंड में चार्टिस्ट आंदोलन में सर्वप्रथम बाल-श्रम की अमानवीय प्रक्रिया की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट हुआ। उसी समय विक्टर क्यूंगों आस्कर, बाझुण्ड आदि साहित्यकारों ने अपनी साहित्य के माध्यम से उस विकराल समस्या को गंभीरता प्रदान किया। मानव से अधिक कार्य लेकर कम मजदूरी देना प्रकृति पूंजीवादी प्रकृति की है।

ऐसा तो बिलकुल नहीं है की कोई विधान इतने सरल या निष्क्रिय नहीं है कि आज भी बाल श्रम के लिए नौनिहालों को श्रम की ओर धकेलने पर कार्रवाई न हो। लेकिन कुछ गिरोह भी ऐसे है जिनके सिर पर ऊँचे तबके और रसूखदार लोगों के हाथ होने के कारण आज भी बाल श्रम पूरी तरह से खत्म नहीं हो पाया है। बच्चों के अपहरण से लेकर जबरन श्रम करने वालों का गिरोह आज भी सक्रिय है। दूसरी ओर गरीबी, काम की अल्पता और भूखमरी से जूझता परिवार के लोगों को बरगलाने और बच्चों को श्रम के लिए प्रेरित करने वाले तथाकथित ठेकेदार की कमी नहीं है। संगठित क्षेत्रों में बकाया बाल श्रम के निषेधता का प्रतीक बोर्ड ठोक-कर भीतर बाल मजदूरी कराते कई जगहों को सोदाहरण देखा जा सकता है।

मौन - वाद विवाद से बचने का कारगर अस्त्र

वाणी एक अनमोल रत्न है - हर बात को बोलने से पहले उसकी सटीकता को रेखांकित करना वर्तमान समय की मांग

शाब्दिक बाणों से जो दिल पर घाव होते हैं वह तीक्ष्ण हथियारों से कई गुना अधिक घातक होते हैं - वाणी का उपयोग सदैव सटीक और कम करना चाहिए - एड किशन भावनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर कुछ दशकों से हम प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देखते और सुनते आ रहे हैं कि फलां देश के बीच वन टू वन, ग्रुप वॉइस डायलॉग हुए जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं जिसका लाभ मानवीय जीवन में दशकों तक उठाया जाता है परंतु कुछ दिन पूर्व एक प्रवक्ता द्वारा एक डिबेट कार्यक्रम में दिए गए बयान टिप्पणी को लेकर दंगे, दंगों का माहौल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाराजगी व्यक्त की गई है और आज भी तीखे डिबेट जारी हैं जिससे माहौल को गर्म महसूस किया जा रहा है, प्रवक्ता को सस्पेंड किया गया है हालांकि उनका भी कुछ तर्क है परंतु हम उस विषय में न जाकर आज इस आर्टिकल के माध्यम से वाद विवाद से बचने मौन अस्त्र के प्रयोग पर चर्चा करेंगे।

साथियों कई बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरपर ऐसी अनेक स्थितियां आती है जब किसी पक्ष का एक बयान, बोली, शाब्दिक वार्तालाप, निजी विचार, डिबेट में विचार, सुझाव दूसरे पक्ष को शाब्दिक बाण के रूप में लग जाता है और वही विवाद की जड़ हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप हानियों का अंत नहीं दिखता है इसलिए किसी ने सच ही कहा है कि वाणी एक अनमोल रत्न है, हर बात को बोलने से पहले उसकी सटीकता को रेखांकित करना वर्तमान समय की मांग है क्योंकि शाब्दिक बाणों से जो दिलों पर घाव होते हैं वह तीक्ष्ण हथियार से कई गुना अधिक घातक होते हैं इसीलिए वाणी का उपयोग सदैव सटीकता से और कम करना चाहिए। मौन यह मानवीय जीवन में वाद विवाद से बचने का कारगर और सटीक अस्त्र भी है जिसका उपयोग दुनिया के सबसे बड़े पदों पर बैठे महानुभाव से लेकर अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को करना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम मौन के लाभों, फायदों की करें तो (1) वाद विवाद से बचने का कारगर उपाय है (2) व्यक्तित्व में निखार लाता है (3) दिमाग तेज काम करता है।(4) अनर्गल बातों में मन नहीं भटकता (5) तनाव दूर होता है (6) सोचने समझने की शक्ति का विकास होता है (7) ऊर्जा का विकास होता है (8) मुख से गलत अनर्गल वाणी नहीं निकलती (9) समाज में प्रतिष्ठा में निखार होता है (10) क्रोध पर नियंत्रण करने का सटीक उपाय है।

साथियों बात अगर हम धार्मिक साहित्य ग्रंथों में मौन और मौनव्रत के महत्व की करें तो, गीता में मानस तप के प्रकरण में एक सूत्र वाक्य आया है, वह है मौनमात्म विनिग्रह, भाव संशुद्धिरित्येतत्तपो मानस: उच्यते। अर्थात मन को शुद्ध करने के लिए मानसिक तप की आवश्यकता होती है। मानसिक तप का प्रधान अंग मौनव्रत है। नारद ने प. उप. में इसी ब्रह्मनिष्ठा के प्रकरण में कहा है न कुर्यात् वदेत्किंचित् अर्थात् ब्रह्म-विकासी को मौन व्रत करना आवश्यक है। उपनिषदों में 'अवाकी' शब्द मौनव्रत को प्रकाश देता है। धर्मशास्त्र में कर्मांग में भी मौनव्रत बताया है। उच्चारे जप काले च षट्सुमौनं समाचरेत। जपकाल, भोजनकाल, स्नान, शौचकर्म में मौन रहना चाहिए। आचार प्रकरण में आता है 'यावदुष्णं भवेदन्नं या वदश्नन्ति वाग्यत: पितरस्नाव दस्मिनियावन्नोक्ता: हविर्गुणा:। भोजन करते समय जब तक मौनपूर्वक भोजन करो तब वह भोजन देवता पितरों को पहुंचता है। इसी पर सनक जुजात गीता में कहा है 'वाचोवेगं मनस: क्रोध वेग एतान् वेगान् योसहमे। इसका अर्थ है कि वाणी के, मन के, इंद्रियों के वेग को जो रोकता है वह ऋषि और ब्राह्मण है। चरक ऋषि ने विमानस्थान में आरोग्य की शिक्षा में कहा है काले हितमितवादी। जब कहने का अवसर हो तब संक्षिप्त शब्द और हितप्रद बात बोले।

साथियों बात अगर हम मौन को गहराई से समझने की करें तो, मौन का अर्थ है अपनी शक्ति का व्यय न करना। मनुष्य जैसे अन्य इन्द्रियों से अपनी शक्ति खर्च करता है, वैसे बोलने से भी अपनी बहुत शक्ति व्यय करता है। आजकल देखोगे तो छोटे बालक तथा बालिकाएँ भी कितना वाद विवाद करते हैं। उन्हें इसकी पहचान ही नहीं है कि हमें जो कुछ बोलना है, उससे अधिक तो नहीं बोलते और जो कुछ बोलते हैं वह ऐसा तो नहीं है जो दूसरे को अच्छा न लगे या दूसरे के मन में दु:ख उत्पन्न करे। कहते हैं कि तलवार का घाव तो भर जाता है किंतु जीभ से कड़वे शब्द कहने पर जो घाव होता है, वह मिटने वाला नहीं है। इसलिए सदैव सोच-समझकर बोलना चाहिए। जितना हो सके उतना मौन रहना चाहिए। महात्मा गांधी प्रति सोमवार को मौन व्रत रखते थे। मौन धारण करने की बड़ी महिमा है। इसे धारण करोगे तो बहुत लाभ प्राप्त करोगे।

साथियों बात अगर हम मौन और गप्पे लड़ाने की तुलनात्मक व्याख्या की करें तो, कुछ लोग खाने-सोने तथा क्लब सोसाइटियों में गप्प लड़ाने के अभ्यस्त हो गए हैं। उनका विश्वास यह रहता है कि गपशप करने से मनोविनोद हो जाता है, किंतु यह बात सर्वथा असत्य है। व्यर्थ गप से अपनी वाणी की कुशलता का भ्रामक ज्ञान लोगों को होता है। गप्प करने से वाणी का तेज नष्ट हो जाता है। बकवादी का वेदमयी वाणी पर भी कम विश्वास होता है। गप्प से मन प्रसन्न रहेगा यह भ्रममात्र है। गप्प का परिणाम मन को खेदजनक बनाना है। यह शांतिकारक वाणी का दोष है।

कभी जो बैठोगे तुम सोचने तो

कभी जो बैठोगे तुम सोचने तो
आयेगा मेरा ख्याल भी
मिलने की थी खुशी बहुत,
अब बिछड़ने का होगा मलाल भी

क्यों छोड़ा तुमने साथ मेरा,
क्यूं बदलीं तुमने मंज़िलें
ढूँढोगे तुम जवाब खुद,
तुम करोगे खुद ही सवाल भी

भुला न सकोगे तुम हमें,
याद आयेंगे तुम को उम्र भर
कभी याद दिलाएगी बहार भी,
कभी शब-ए-ग़म का हिलाल भी

कभी रहोगे तुम उदास बोहत,
बेसकूंन भी, बेचैन भी
याद करोगे मुस्कराके हमें,
कभी दोगे जेहन से निकाल भी

कभी देखोगे हसीन पल में,
कभी देखोगे मुझे ख्वाब में
कभी डगमगाएगी कश्ती-ए-दिल,
कभी लोगे सम्भाल भी

दिल को रहे 'नाज' शिकायतें,
अधूरी अनकही हिकायतें
मिलके क्या था उनसे हादसा,
अब बिछड़ के क्या है कमाल भी।।

शार्ट न्यूज

बीजेपी विधायक कैलाश खरवार सड़क हादसे में घायल, वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर

चंदौली। उत्तर प्रदेश में चकिया कोतवाली के गोनिया गांव के पास कार के डंपर ट्रक से टकरा जाने से चकिया से बीजेपी विधायक कैलाश खरवार घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। चंदौली जिले के चकिया विधायक कैलाश खरवार की स्कार्पियो मंगलवार देर रात साढ़े 11 बजे चकिया-मुगलसराय मार्ग पर गोलिया के पास खड़े डंपर में टकरा गई। हादसे में विधायक, उनका गनर और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने उन्हें जिला चिकित्सालय चकिया पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि कैलाश खरवार मंगलवार रात 11:30 बजे स्कार्पियो से भाजपा जिला उपाध्यक्ष काशीनाथ सिंह को उनके गांव रघुनाथपुर छोड़कर अपने गांव सारडीह लौट रहे थे। हादसे में विधायक कैलाश खरवार, उनका चालक ओमप्रकाश और गनर अनिल सरोज तथा संजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। विधायक के सिर और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई और खून बहने लगा। सड़क से गुजर रहे लोगों ने सूचना देकर तीनों लोगों को चकिया स्थित सामुदायिक जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जानकारी लगते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी शेषमणि पाठक, कोतवाल राजेश यादव हॉस्पिटल पहुंच गए। कुछ ही देर में उनके पुत्र पुनीत खरवार, भाजपा के जिला महामंत्री उमाशंकर सिंह, गौरव श्रीवास्तव, कैलाश जायसवाल, शिकारगंज पूर्व प्रधान राजेश शर्मा, संदीप गुप्ता, रवि गुप्ता, विजय विश्वकर्मा चिकित्सालय पहुंच गए। विधायक की हालत गंभीर देखते हुए इमरजेंसी के डॉक्टर पवन कश्यप ने उन्हें ट्रामा सेंटर बीएचयू रेफर कर दिया है। विधायक के सिर और दाहिने हांथ की कलाई में चोटें आईं हैं। वहां से काफी खून बह गया था।

ज्ञानवापी मस्जिद केसः शिवलिंग की नियमित पूजा करने वाली स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की याचिका खारिज

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग जैसी आकृति की नियमित पूजा करने के लिए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से डाली गई याचिका खारिज कर दी गई है। बुधवार को सुनवाई करते हुए जिला जज महेंद्र प्रसाद पांडेय ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की उस याचिका को खारिज कर दिया है। बतादें कि शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य प्रतिनिधि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग जैसी आकृति के पूजन-भोग के लिए शनिवार को कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता रमेश उपाध्याय व चंद्रशेखर सेठ के जरिए प्रभारी जिला जज त्रिभुवन की अदालत में अर्जी देकर पूजा-पाठ का आदेश देने की गुहार लगाई थी। अदालत ने दिन में तीन बजे के बाद दाखिल अर्जी पर मुंसरिम (प्रशासनिक अधिकारी) की आख्या न होने पर सुनवाई छह जून तक टाल दी। वादी के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया था कि शृंगार गौरी प्रकरण में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के आदेश पर हुए सर्वे में मिले शिवलिंग जैसी आकृति का विधिवत राजभोग, पूजन व आरती जिला प्रशासन की ओर से होना चाहिए था, लेकिन अब तक प्रशासन ने ऐसा नहीं किया है और न ही किसी सनातन धर्म से जुड़े व्यक्ति को इस सम्बंध में नियुक्त किया। उन्होंने बताया था कि कानूनन देवता की स्थिति एक जीवत व्यक्ति के समान होती है। उसे अन्न-जल आदि नहीं देना संविधान की धारा अनुच्छेद-21 के तहत दैहिक स्वतंत्रता के मूल अधिकार का उल्लंघन है। इसलिए अंजुमन इंतजामिया मसाजिद को परिसर में जाने से रोका जाय। अधिवक्ता ने वाद को अर्जेंट बताते हुए जल्द से जल्द सुनवाई शुरू करते हुए वादी को पूजन व भोग करने की अनुमति देने की मांग की थी।

कुकरैल के जंगल में शुरू होगी नाइट सफारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश दिया है लखनऊ के कुकरैल जंगल में शुरू होगी नाइट सफारी। सीएम को मंगलवार को इसके लिए मसौदा प्रस्ताव पर प्रेजेंटेशन दिखाया गया। योगी ने कहा कि कुकरैल नाइट सफारी वन्य जीवन और पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठा प्रयोग होगा। उन्होंने कहा कि यह राज्य और लखनऊ के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह परियोजना शिक्षा, सूचना और मनोरंजन का एक अनूठा मेल होगा, जो एक हरित और स्वस्थ कल का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुकरैल नाइट सफारी पर्यटकों को विश्व स्तरीय ईको-पर्यटन सुविधाएं प्रदान करेगी। सीएम योगी ने कहा कि कुकरैल नाइट सफारी को गोमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर नवीनतम तकनीक से विकसित किया जाए। नाइट सफारी के लिए बेहतर कनेक्टिविटी के लिए फोर लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। कुकरैल वन क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 2027.46 हेक्टेयर है। इसमें से लगभग 500 एकड़ क्षेत्र में बिना वन क्षेत्र को प्रभावित किए चिड़ियाघर एवं रात्रि सफारी विकसित करने का प्रस्ताव है। बता दें कि साथ ही कुकरैल ओवरब्रिज समेत पीडब्ल्यूडी की ओर से निरालानगर, इंदिरा ब्रिज, ग्वारी, मल्हौर, पुरनिया और ऐशबाग समेत आधा दर्जन से अधिक फ्लाईओवर्स का मेंटीनेंस कराए जाने की तैयारी है जबकि बीकेटी, चिनहट, सरोजनीनगर, मोहनलालगंज, मलिहाबाद, गोमतीनगर, आशियाना, जानकीपुरम, रहीमनगर की कई रोड्स का मेंटीनेंस कराया जाएगा। पुराने लखनऊ के अंतर्गत भी कई रोड्स का मेंटीनेंस के लिए चयन किया गया है। मेंटीनेंस के लिए शासन की ओर से करीब 350 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

केशव मौर्य सहित सात मंत्रियों को भाजपा भेजेगी विधान परिषद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने योगी सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित सात मंत्रियों और दो पार्टी पदाधिकारियों को विधान मंडल के उच्च सदन विधान परिषद भेजने का फैसला किया है। भाजपा ने विधान परिषद की 13 सीटों के लिये हो रहे द्विवार्षिक चुनाव में बुधवार को अपने 09 उम्मीदवारों की सूची जारी की। दिल्ली स्थित भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय से जारी की गयी उम्मीदवारों की सूची में केशव मौर्य के अलावा योगी सरकार के मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', जेपीएस राठौर, नरेन्द्र कश्यप, दानिश अंसारी और जसवंत सैनी के नाम शामिल हैं। इसके अलावा पार्टी की लखनऊ शहर इकाई के अध्यक्ष मुकेश शर्मा और वरिष्ठ नेता और कन्नौज के पूर्व विधायक बनवारी लाल दोहरे को भी विधान परिषद चुनाव का उम्मीदवार बना है। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री मौर्य का विधान परिषद सदस्य का कार्यकाल छह जुलाई को खत्म हो रहा है। शेष छह मंत्री अभी विधान मंडल के किसी सदन के सदस्य नहीं हैं।

रंजन मित्तल पर 1 करोड़ की धोखाधड़ी में एफआईआर

मुजफ्फरनगर। खालापार गहरा बाग स्थित भूमि पर चल रहे मुकदमे में पैरोकारी कर रहे एडवोकेट ने ही अपने क्लाइंट के साथ 1 करोड़ की धोखाधड़ी कर दी। पुलिस ने अबुपुरा निवासी बुजुर्ग मौ.नैयर की तहरीर पर एड. रंजन मित्तल उनकी पत्नी नीता मित्तल तथा बैंक आफ इंडिया टाऊन हाल रोड शाखा के तत्कालीन मैनेजर के विरुद्ध धोखाधड़ी तथा धमकी आदि देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अबुपुरा निवासी मौ. नैयर पुत्र मौ. हसनैन ने एसएसपी के आदेश पर थाना सिविल लाइन में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गहरा बाग की 67 बीघा भूमि पर कई सालों से उनका मुकदमा चल रहा है। वह कई अदालतों में मुकदमा जीत चुके हैं। नई मंडी भोपा रोड निवासी एड. रंजन मित्तल उनके मुकदमों में पैरोकारी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मुकदमों में उनके अधिवक्ता दिल्ली के अजय कुमार अग्रवाल हैं। बताया कि उनसे उन्हें 1 करोड़ रुपये आने थे। 2014 में उन्होंने उनके एक करोड़ रुपये का चेक एड. रंजन मित्तल को देने की कहते हुए कहा थी उनसे प्राप्त कर लेना। बताया कि अजय कुमार अग्रवाल ने नवंबर 2014 में एचडीएफसी बैंक का उनके नाम का एक करोड़ रुपये का चेक अजय कुमार अग्रवाल दिया। 25 नवंबर 2014 को रंजन मित्तल एडवोकेट ने उन्हें अपने घर बुलाकर बताया कि उनका चेक प्राप्त हो गया है और वह उनका खाता टाऊन हाल रोड बैंक आफ इंडिया शाखा के खाते में खुलवा देंगे।

कानपुर हिंसाः घटनास्थल पर पहुंची फॉरेंसिक टीम, क्राइम सीन रिक्रिएट कर जुटाए एविडेंस

कानपुर। कानपुर हिंसा के मामले में साक्ष्य (एविडेंस) पुख्ता करने के लिए पुलिस की फॉरेंसिक टीम बुधवार को घटनास्थल पर पहुंची और क्राइम सीन रिक्रिएशन के जरिए छूटे साक्ष्यों को एकत्र किया। मामले की जांच कर रहे पुलिस उपायुक्त त्रिपुरारी पांडे ने बताया कि हिंसा के गुनहगारों के खिलाफ पुलिस के पास पुख्ता सबूत हैं। इसके बावजूद हम कोई भी साक्ष्य छोड़ना नहीं चाहते और यही कारण है कि फोरेंसिक टीम ने आज नई सड़क स्थित मौका-ए-वारदात का मुआयना किया और क्राइन सीन रिक्रिएशन के जरिए छूटे साक्ष्यों को एकत्र किया।

इस मामले में सफाई नायक और कर्मचारियों से बातचीत की गई है। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि सबूत के तौर पर बहुत सी चीजे पहले ही थाने में एकत्र है।

इसके अलावा जो भी चीजे छूटी हैं, उन्हे एकत्र किरने के लिये फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर आई है। उन्होंने कहा कि यह भी देखा गया कि पत्थर किस एंगल से फेंके गए और सड़क किनारे सफाई कर्मियों को और क्या कुछ मिला है। आज सफाई कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। घटनास्थल की पूरी फोटोग्राफी हमारे पास मौजूद है। पुलिस अदालत में पुख्ता सबूतों के साथ अपनी बात रखेगी ताकि गुनाहगारों को बचने का कोई मौका नहीं मिले।

गौरतलब है कि कानपुर हिंसा मामले में अब तक 54 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि पोस्टर के जरिए अन्य आरोपियों की तलाश में आमजन का सहयोग लिया जा रहा है। 3 जून को जुमे की नमाज के बाद कानपुर के बेकनगंज इलाके में हिंसा भड़क उठी थी।

पैगंबर मोहम्मद साहब को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नुपुर शर्मा के विवादित बयान के विरोध में भीड़ सड़क पर उतर आई थी और जमकर पथराव किया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

बाल संरक्षण निकाय ने पुलिस से की मांग, बच्चों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई

कानपुर। शीर्ष बाल अधिकार निकाय, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने उत्तर प्रदेश पुलिस से जांच शुरू करने और 3 जून को हिंसा में बच्चों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। कानपुर पुलिस आयुक्त को लिखे एक पत्र में एनसीपीसीआर ने कहा कि हिंसा में बच्चों के शामिल होने की खबरें हैं। पत्र में कहा गया है कि आयोग आपके कार्यालयों से एक जांच शुरू करने और किशोर न्याय अधिनियम और आईपीएस (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर में धाराएं लगाएं। गौरतलब हो कि इससे पहले मंगलवार को एक 16 वर्षीय आरोपी ने कर्नलगंज पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया था, जब उसकी तस्वीर शहर भर में पुलिस द्वारा लगाए गए पोस्टरों पर दिखाई दी थी। यूपी पुलिस ने सोमवार को हिंसा भड़काने के आरोपी 40 लोगों की तस्वीरों वाले पोस्टर जारी किए थे। कानपुर में हुई हिंसा के सिलसिले में कम से कम चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, अब तक हिरासत में लिए गए लोगों की कुल संख्या 54 हो गई है। 3 जून को, कानपुर के परेड, नई सड़क और यतीमखाना इलाकों में हिंसा भड़क उठी थी, जब कुछ लोगों ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में दुकानों को बंद करने का आह्वान किया। हिंसा जल्द ही बेकनगंज, अनवरगंज और मूलगंज सहित कई इलाकों में फैल गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, गोलियां चलाईं और पेट्रोल बम फेंके जिससे कम से कम 40 लोग और 20 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भाजपा ने रविवार को अपने प्रवक्ता नुपुर शर्मा को निलंबित कर दिया और अपने दिल्ली मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल को निष्कासित कर दिया, क्योंकि पैगंबर के खिलाफ उनकी कथित विवादास्पद टिप्पणी के बाद बड़े पैमाने पर विरोध और निंदा हुई थी। शर्मा ने कथित तौर पर एक टीवी न्यूज शो के दौरान वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के बारे में बोलते हुए विवादास्पद टिप्पणी की थी।

पबजी खेलने से रोकने पर मां को नाबालिग बेटे ने उतारा मौत के घाट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 16 साल के एक नाबालिग किशोर ने अपनी मां की गोली मारकर हत्या कर दी। सैन्य अफसर का बेटा अपनी मां से इस बात से खफा था कि वह उसे मोबाइल फोन पर 'ऑनलाइन गेम पबजी' खेलने से रोकती थी।

लखनऊ के पीजीआई पुलिस थाना क्षेत्र में हुयी इस सनसनीखेज वारदात के बारे में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) कासिम आबदी ने बुधवार को बताया कि नाबालिग किशोर के पिता सेना में अधिकारी हैं और पश्चिम बंगाल में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि किशोर ने शनिवार और रविवार की रात लगभग तीन बजे पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से गोली दाग कर मां की हत्या कर दी।

आबदी ने बताया कि मंगलवार को रात में लगभग नौ बजे किशोर के पिता ने पश्चिम बंगाल से टेलीफोन पर पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्त को इस घटना के बारे में बताया। पड़ोसी ने घर जाकर मौत की पुष्टि होने पर लखनऊ पुलिस को इसकी जानकारी दी, तब जाकर पुलिस ने उनके घर से मृतका का शव बरामद किया। उन्होंने बताया कि हैवानियत की सारी हदें पार कर बेटे ने मां के शव को तीन दिन तक घर में ही पड़ा रहने दिया और नौ साल की छोटी बहन को धमका कर एक कमरे में बंद कर दिया, जिससे वह इस घटना का किसी से खुलासा न कर दे।

उन्होंने बताया कि आरोपी किशोर ने पुलिस पूछताछ में पहले तो यह कहा कि उसकी मां से बिजली सुधारने वाला मिस्त्री आता था, उसी ने मां की हत्या कर दी। पुलिस ने जब तफ्तीश से पूछताछ की तब उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि वारदात के दिन घर में 10 हजार रुपये गायब होने पर मां ने चोरी के इल्जाम में उसकी पिटाई की थी, जबकि इसके कुछ देर बाद ही खोये पैसे घर में मिल गये। वह पबजी खेलने से मां द्वारा रोकने से भी खफा रहता था।

आबदी ने बताया कि किशोर ने मां की हत्या करने के बाद पड़ोसियों को बताया कि मां चाचा के घर गयी हैं। अगले दो दिन तक वह अपने दोस्तों से मिलने घर से बाहर भी गया। इस दौरान उसने शव से दुर्गंध आने पर रूम फेशनर का छिड़काव किया। ज्यादा दुर्गंध बढ़ने पर उसने किसी रसायन का इस्तेमाल कर शव को गलाने की कोशिश भी की। सारी कोशिशें नाकाम रहने पर उसने पिता को फोन कर बताया कि किसी व्यक्ति ने घर में घुसकर मां की हत्या कर दी है। उसने पिता को एक मनगढ़ंत कहानी भी बतायी कि अकसर एक युवक मां से मिलने के लिये घर पर आता था। किशोर के पिता की सूचना पर पुलिस ने पूर्वी लखनऊ क्षेत्र में स्थित सैन्य अधिकारी के घर से मृतका का शव बरामद किया।

युवती ने मां पर लगाया देह व्यापार में धकेलने का आरोप

एजेंसी

बरेली। मुंबई से अपने गृहनगर बरेली लौटी एक युवती ने अपनी मां, मौसा-मौसी पर पैसे के लिए देह व्यापार कराने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। जिला प्रोवेशन अधिकारी नीता अहिरवार ने बुधवार को बताया कि सुभाषनगर निवासी 20 वर्षीय युवती की ओर से दर्ज कराई एफआईआर के मुताबिक, पिछले साल उसकी मां ने एक अंजान व्यक्ति से अवैध संबंध बनाने पर मजबूर किया जिसके बाद यह सिलसिला शुरू हो गया। विरोध करने पर मां, मौसा और मौसी ने बहाने से उसे मुंबई भेज दिया, जहां सगे मामा ने उसे एक डांस बार में लगवा दिया। युवती का आरोप है कि करीब तीन महीने पहले उसके दोनों मामाओं ने उससे देह व्यापार शुरू करा दिया। युवती का आरोप है कि उसके दोनों मामा उसे दुबई में किसी के हाथों बेच देना चाहते थे। मौका मिलने पर मुंबई से भागकर बरेली आ गई। श्रीमती अहिरवार ने एसएसपी से मुलाकात कराई। एसएसपी ने एफआईआर के निर्देश दिए। इस पर जिला प्रोबेशन अधिकारी अहिवार ने युवती की तहरीर पर थाना सुभाष नगर में एफआईआर दर्ज कराई।

स्वामी प्रसाद मौर्य सहित सपा के चार उम्मीदवारों ने किया विधान परिषद चुनाव में नामांकन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 13 सीटों पर आगामी 20 जून को होने वाले चुनाव के लिये समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य सहित चार उम्मीदवारों ने बुधवार को नामांकन किया।

सपा ने मौर्य के अलावा जासमीर अंसारी और कन्नौज के पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव के बेटे मुकुल यादव और शाहनवाज खान 'शब्बू' को भी उम्मीदवार बनाया है।

गौरतलब है कि पहले स्वामी प्रसाद मौर्य, मुकुल और अंसारी ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ नामांकन करने के लिये विधान सभा

पहुंचे थे। आनन फानन में चौथे उम्मीदवार शाहनवाज खान को भी नामांकन के लिये विधान सभा बुलाया गया।

चारों उम्मीदवारों ने अखिलेश यादव की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम और सपा के प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी भी शामिल थे। गौरतलब है कि शाहनवाज खान 'शब्बू' को आजम खान का करीबी माना जाता है। सहारनपुर के रहने वाले शब्बू, आजम के निजी सचिव भी हैं।

वहीं, पूर्व विधायक अंसारी हाल ही में संपन्न हुए विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ कर सपा में शामिल हुए थे। विधान परिषद चुनाव के लिये 20 जून को होने वाले मतदान के लिये नामांकन की अंतिम तिथि 09 जून है। नामांकन पत्रों की जांच 10 जून को होगी जबकि नाम वापसी की अंतिम तिथि 13 जून है।

प्रतापगढ़ में कुकर्म के अभियुक्त को 40 साल की जेल

एजेंसी

प्रतापगढ़ । उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत ने नाबालिग से कुकर्म के आरोपी को 40 साल कठोर कारावास की सजा सुनायी है।

अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो पंकज कुमार श्रीवास्तव ने तीन साल पुराने इस मामले में गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर विजय पटेल नामक व्यक्ति को मंगलवार को यह सजा सुनायी है।

मामला नगर कोतवाली क्षेत्र में जोगापुर गांव का है जहां 28 जून 2019 की शाम विजय पटेल ने पड़ोस के 8 साल के लड़के को टी वी देखने के लिये अपने घर बुलाया और कुकर्म किया।

काफी देर बाद लड़का अपने घर पहुँचा तो माँ के पूछने पर मुहँ दबाकर कुकर्म करने की जानकारी दी।

पीड़ित की माँ ने दूसरे दिन विजय पटेल रिपोर्ट दर्ज करायी। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आरोपी को दोष सिद्ध पाया और फैसला सुनाया।

गौरवपूर्ण तरीके व भव्यता के साथ मनाया जायेगा रानी झांसी का बलिदान दिवस

झांसी। आजादी के लिए हुए पहले स्वतंत्रता आंदोलन 1857 की दीपशिखा उत्तर प्रदेश के झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस 18 जून को पूरी भव्यता और गौरव के साथ मनाया जायेगा।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बुधवार को विकास भवन सभागार में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के जन्मदिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में एक बैठक लेते हुए उपस्थित अधिकारियों को उनके दायित्व सौंपे और सभी से अपेक्षा करते हुए कहा कि दायित्वों का निर्वहन संवेदनशील होकर करें ताकि कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न हो।

उन्होंने कहा कि देश की आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर दिनांक 12 मार्च, 2021 से आजादी का अमृत महोत्सव विभिन्न आयोजनो के माध्यम से मनाया जा रहा है।देश को स्वतंत्र कराने में महती भूमिका अदा करने वाले वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उनसे जुड़े हुए महत्वपूर्ण दिवसों पर अभिलेख प्रदर्शनी, चित्रकला शिविर, निबन्ध या काव्य लेखन प्रतियोगिता, सांस्कृतिक आयोजन, स्वतंत्रता संग्राम शहीदों के परिजनों का सम्मान आदि कार्यक्रमों का आयोजन निरन्तर एक वर्ष से किया जा रहा है।

इस आयोजन की श्रंखला में वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर दिनांक 18 जून झांसी में कार्यक्रमों का आयोजन कराया जा है, जो दो दिन 17 और 18 जून को होंगे। कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि रानी महल, झांसी में 7500 दीपों के साथ झांसी दुर्ग में भी दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रानी दुर्ग प्रांगण में रानी लक्ष्मी बाई पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन होगा।

जनपद के सभी स्वतंत्रता संग्राम स्थलों पर राष्ट्र भक्तिपूर्ण आयोजन व दीप प्रज्वलन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

इस श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 18 जून को मुख्य कार्यक्रम पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित होंगे, इस दिवस पर साहसिक खेलों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाली प्रदेश की 75 महिलाओं को शाल पहनाकर प्रशस्ति पत्र देते हुए सम्मानित किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर रानी लक्ष्मीबाई की वीरता पर आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार द्वारा रानी लक्ष्मीबाई को केन्द्रित करते हुए स्वतंत्रता आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली देश की 75 वीरागनाओं पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का भी आयोजन एवं उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी द्वारा रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित चित्रकला शिविर एवं प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस को मिशन शक्ति के साथ जोड़ते हुए व्यापक जन सहभागिता के साथ भव्यतापूर्ण कार्यक्रम कराए जाने के निर्देश देते हुए श्री कुमार ने उपस्थित समस्त अधिकारियों से कहा कि जो भी जिम्मेदारियां अथवा दायित्व आपको सोंपे पर गए हैं उनका अक्षरक्ष अनुपालन किया जाना सुनिश्चित करें। नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि आप सभी स्थलों का भ्रमण करते हुए रणनीति बना लें ताकि कार्यक्रम के दिवस किसी भी तरह का कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो सके।

जौनपुर में बलात्कार का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के सुजानगंज थाना क्षेत्र मे एक नाबालिग बच्ची को हवस का शिकार बनाने वाले एक दरिंदे को पुलिस ने बुधवार को एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद धर दबोचा। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी ने बताया कि सोमवार रात क्षेत्र के एक गांव में चनेथू थाना सराय ममरेज जिला प्रयागराज से बारात आई थी। रात करीब साढ़े दस बजे बारात में शामिल एक युवक ने पड़ोस में रहने वाली एक नौ वर्षीया बालिका को नमकीन का प्रलोभन देकर दुष्कर्म किया और भाग निकला। परिजनों को जानकारी हुई तो युवक की खोजबीन शुरू हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब दो दर्जन से अधिक बाराती और रिश्तेदारो को थाने ले आयी। रात में पीड़िता के पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। बालिका का इलाज जिला चिकित्सालय में कराया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अनुसार नाबालिग से बलात्कार की घटना के छानबीन के क्रम में अभियुक्त को थाना ले आया गया, अभियुक्त से पूछताछ के क्रम में जब बलात्कार पीडिता के सहपाठी बच्चो से आमना सामना कराया गया तो बच्चो ने उक्त अभियुक्त को पहचान लिया। अभियुक्त ने जुर्म को कबूल कर लिया और कहा कि घटना के बाद उसने अपने कपड़ो को सरोज विद्याशंकर डिग्री कालेज बहद ग्राम फरीदाबाद के सामने रखा है। पुलिस के साथ घटनास्थल पहुंचे अभियुक्त ने छिपाये गये थैले से तमंचा निकाल कर पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त पुलिस की गोली से घायल हो गया जिसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोनभद्र में प्लास्टिक के निस्तारण के लिए शुरू हुआ अभियान

सोनभद। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिला प्रशासन ने प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने और कूड़े के रुप में हर घर से निकलने वाले प्लास्टिक को एकत्रित कर उसे रिसाइकिल करने का अनोखा प्रयास शुरू किया है।

जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने बुधवार को बताया कि गांव हो या शहर हर जगह कूड़े के रूप में सबसे ज्यादा प्लास्टिक ही दिखाई देता है और यह ऐसा कूड़ा है जो नष्ट नही होता और हर जगह फैला रहता है। अगर यह जमीन में पाट भी दिया जाय तो वहां के पानी लेयर को बंद कर देता है जिससे पानी का रिचार्ज भी कम होने लगता है।

आज प्लास्टिक हर घर और लोगो के दिनचर्या का हिस्सा बन गया है सरकार द्वारा इसके रोक थाम के लिया बराबर अभियान चलाया जा रहा है लेकिन जब तक लोग जागरूक नही होंगे तब तक इसको रोकना एक कड़ी चुनौती है।

उन्होने कहा कि इसको रोकने के लिए एक अनोखा अभियान शुरू किया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायतों के हर घर में उन्ही से एक बोरी घर के किसी दीवाल पर बच्चों के ऊंचाई पर टंगवाई जायेगी तथा गांव में बैठक कर लोगो को जागरूक किया जायेगा की आप घर में जो भी समान प्लास्टिक में लाते है उसको प्रयोग करने के बाद उस बोरे में डाल दीजिए। सभी बोरी में इकठ्ठा प्लास्टिक को 15 दिन में एक जगह इकठ्ठा किया जायेगा और विकास खण्ड से वाहनों के माध्यम से डाला सीमेंट फैक्ट्री में निस्तारण के लिए भेज दिया जाएगा। जनपद के सभी विकास खण्ड में प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट भी लगाई जाएगी जहा प्लास्टिक को अलग अलग छांट कर रिसाइकिल वाले प्लास्टिक को बेच दिया जायेगा और जो प्लास्टिक किसी प्रयोग में नही आ सकता उसका समूह के मध्यम से चटाई और प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट में प्लास्टिक की ईट बनाई जाएगी।

जिलाधिकारी ने डीपीआरओ और सभी एडीओ पंचायत को निर्देशित किया कि न्याय पंचायत वार रोस्टर बना कर बरसात से पहले सफाई और प्लास्टिक को बीन कर इकट्ठा कर लिया जाय जिससे प्लास्टिक पानी के साथ बह कर नदी और नाली में न जाए और प्रत्येक गांव में जागरूकता अभियान चलाया जाए।

डॉक्टर की संदिग्ध हालत में मौत

गोरखपुर। गोरखपुर में एक डॉक्टर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। रात को बर्थडे पार्टी से लौटने के बाद सुबह डॉक्टर की उन्हीं के अस्पताल में लाश मिली है। मृतक के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की पड़ताल कर रही है। घटना चौरीचौरा इलाके के तरकुलहा मोड़ की है। चौरीचौरा इलाके के तरकुलहा मोड़ पर डॉ. अभिषेक रंजन का अभिषेक हॉस्पिटल चलाते थे। मंगलवार की रात अभिषेक झंगहा इलाके के राजधानी गांव में अपनी एक रिश्तेदारी में बर्थडे पार्टी अटेंड करने गए थे।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले 2 गिरफ्तार, मुरादाबाद पुलिस ने बिहार और हरियाणा के 2 युवकों को पकड़ा

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के बैंक खातों से रकम उड़ाने वाले 2 ठगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक बिहार और दूसरा हरियाणा का रहने वाला है। ठगों का यह गैंग अलग-अलग प्रदेशों और शहरों में घूम-घूमकर घटनाओं को अंजाम देता था।

SP ग्रामीण विद्यासागर मिश्र ने प्रेस कॉफ्रेंस करके ठगों के इस गैंग के पकड़े जाने का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि दोनों ठग उस समय पुलिस के हत्थे चढ़े जब ये दोनों बिलारी में घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। इससे पहले बिलारी में एक घटना को दोनों अंजाम दे चुके थे।

स्क्र ने बताया कि पकड़े गए ठगों के नाम निकेश पुत्र चरन सिंह निवासी गांव एकनाथ थाना सिहुआ जिला नवादा बिहार और राकेश पुत्र धर्म सिंह निवासी शांति नगर थाना बरगढ़ कुरुक्षेत्र हरियाणा हैं। एसपी ने बताया कि दोनों को बिहार के एक ठग ने प्रशिक्षण दिया था। इसके बाद से वह भोलेभाले लोगों को शिकार बनाकर अभी तक 20 से अधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।

एसपी ने बताया कि दोनों ठगों के पास से अलग-अलग बैंकों के 20 एटीएम कार्ड और 7 आधार कार्ड बरामद हुए हैं। इनके पास पुलिस को 4 मोबाइल फोन और 69120 रुपए भी मिले हैं। फर्जी आधार कार्ड कहां और किससे बनवाए गए, इसकी पुलिस जांच कर रही है।

बरामद एटीएम कार्ड का ब्योरा भी खंगाला जा रहा है। मदद के बहाने बदलते थे एटीएम कार्डपुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह एटीएम बूथ पर नजरें गढ़ाए रहते थे।

कोई सीधासादा व्यक्ति नजर आने पर रुपये निकालने में उसकी मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड बदल देते थे। इसके बाद उसके एटीएम कार्ड से रकम उड़ा लेते थे। बिलारी में गैंग का शिकार बने एक व्यक्ति ने पिछले दिनों बिलारी थाने में घटना की स्न्रङ्कक्रदर्ज कराई थी।

शार्ट न्यूज

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने दिल्ली में ईवी से की डिलीवरी की शुरुआत

नयी दिल्ली। पर्यावरण-अनुकूल पेंट्स का निर्माण करने वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने स्थायी भविष्य की दिशा में एक और कदम उठाते हुए अपने हब (वेयरहाउस) से उत्पादों को रिटेलरों तक पहुंचाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग की शुरुआत की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि राजधानी में स्थित अपने हब से नए स्टॉक को रिटेल पार्टनर तक पहुंचाने के लिए एक ईवी मिनी ट्रक को हरी झंडी दिखाई गयी है। कंपनी द्वारा पहले ईवी मिनी ट्रक को बेंगलुरु में हरी झंडी दिखाई गई थी। यह उत्पादों के परिवहन के लिए बिल्कुल नए एवं स्थायी साधनों के उपयोग के जरिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने की कंपनी की प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है, साथ ही यह जेएसडब्ल्यू पेंट्स के थिंक ब्यूटीफुल ग्रीन रोडमैप की अवधारणा से जुड़ा हुआ है। कंपनी द्वारा अपने रिटेलरों को सामान पहुंचाने के लिए वर्तमान में उपयोग में आने वाले डीजल वाहन की जगह अब ईवी के रूप में मिनी ट्रक का इस्तेमाल किया जाएगा।

कैपजेमिनी के कार्यालयों में नवीकरणीय ऊर्जा से कामकाज का संचालन

नयी दिल्ली। कैपजेमिनी ने महाराष्ट्र स्थित अपने कार्यालयों एवं डेटा सेंटर में 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से कामकाज के संचालन की शुरुआत के साथ आज सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि कामकाज में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग का सीधा मतलब है कि कंपनी के कार्बन फुटप्रिंट में सालाना 14,000 टन की कमी आएगी। फिलहाल मुंबई के ऐरोली परिसर में लगाए गए सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों में से एक से 40 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त होती है, और शेष 60 प्रतिशत हरित ऊर्जा उपयोगिता कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त होती है। पुणे के तलवाडे और हिंजेवाड़ी परिसरों में कार्यस्थल पर लगाए गए सौर ऊर्जा संयंत्रों से 30 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा और शेष 70 प्रतिशत हरित ऊर्जा उपयोगिता कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त होती है।

मिंत्रा का ईओआरएस 11 जून से

नयी दिल्ली। ऑनलाइन मार्केट प्लेस मिंत्रा की सबसे बड़ी फैशन ईवेंट और साल में दो बार होने वाली ईओआरएस यानि एंड ऑफ रीज़न सेल 11 जून से 16 जून तक चलेगा। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसमें 5000 से ज्यादा ब्रांड के 14 लाख से अधिक स्टाईल का सबसे बड़ा संग्रह आ रहा है। यह 6-दिवसीय ईवेंट देश में 50 लाख से ज्यादा ग्राहकों को फैशन, लाईफस्टाईल, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर और होम कैटेगरीज़ में ऑफर प्रस्तुत करने वाली है। मांग में सामान्य व्यापार में 3 गुना से ज्यादा उछाल की उम्मीद है। उसने कहा कि पूरे देश में 21,000 किराना स्टोर पार्टनर्स का नेटवर्क (मेंसा नेटवर्क) 19,000 से ज्यादा पिनकोड्स तक सेवाएं देकर 85 प्रतिशत डिलीवरी पहुंचाएगा। यह ईवेंट के दौरान अंतिम छोर तक डिलीवरी में आवश्यक सहयोग देगा। यह सांकेतिक मॉडल किराना पार्टनर्स को आजीविका का एक अतिरिक्त स्रोत देता है, जो ईओआरएस के दौरान बढ़ी हुई मांग के कारण बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। पीक के दौरान मिंत्रा का प्लेटफॉर्म प्रति मिनट 16,000 ऑर्डर संभालेगा और एक समय 11 लाख यूज़र्स को एक साथ सेवाएं देगा। ईओआरएस-16 ने वेयरहाउस, अंतिम छोर तक डिलीवरी और कॉन्टैक्ट सेंटर्स में 27,500 अप्रत्यक्ष मौसमी रोजगार के अवसरों का सृजन किया है, ताकि बढ़ी हुई मांग को पूरा किया जा सके।

कार्गो-पार्टनर ने बनायी वर्ष 2025 तक पूरे भारत में विस्तार की योजना

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर की लॉजिस्टिक्स (माल-ढुलाई) सेवाप्रदाता कार्गो-पार्टनर ने आगामी दो-तीन वर्षों में 10 से ज्यादा भारतीय शहरों में विस्तार करने की योजना शुरू की है। इस विस्तार से कार्गो-पार्टनर भारत के 24 से ज्यादा शहरों और सभी प्रमुख बड़े शहरों में मौजूद होगी। कार्गो पार्टनर ने बुधवार को एक बयान में कहा कि कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025 के अंतिम माह तक पूरे देश में अपना विस्तार करने और भारत के राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स बाजार की अग्रणी कंपनी बनने का है। इसी क्रम में यह तेज विस्तार किया जा रहा है। कंपनी के क्षेत्रीय निदेशक (इंडो-आसियान) राजीव सिंह ने कहा, कार्गो-पार्टनर रोज़गार के ढेर सारे अवसर पैदा करेगी और वित्त वर्ष 2022 से 2025 के दौरान इन शहरों में 500 कर्मचारियों को नौकरी देगी। वे ऑटोमोटिव और स्पेयर पार्ट्स, फैशन तथा लाइफस्टाइल, खानपान और दवाओं व स्वास्थ्यसेवा के क्षेत्र में काम करने वाली व्यापार से व्यापार (बी2बी) कंपनियों को सेवाएं प्रदान करेंगी। कार्गो-पार्टनर द्वारा अपनी सेवाओं के विस्तार किए जाने की एक प्रमुख वजह टियर-2 और टियर-3 शहरों से होने वाली मांग में बढ़ोतरी भी है। कार्गो पार्टनर का मुख्यालय ऑस्ट्रिया में है और 40 से ज़्यादा देशों में 140 से अधिक कार्यालयों के साथ वैश्विक नेटवर्क हैं।

नीतिगत दरों में हुयी बढ़ोतरी, घर और कार की किस्तें होंगी महंगी

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने महंगाई को काबू में करने के लिए लगातार दूसरे महीने नीतिगत दरों में बढोतरी की है, जिससे आम लोगों के लिए घर, कार और अन्य ऋणों की किस्तों में वृद्धि होगी तथा ऋण महंगे हो जायेंगे। आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में एमपीसी की हुयी तीन दिवसीय बैठक के बाद आज जारी बयान में कहा गया है कि सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है। महंगाई तथा रूस एवं यूक्रेन के बीच जारी जंग के कारण वैश्विक स्तर अनिश्चितता बढ़ी है और इससे आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर हुआ है, जिसके कारण दुनिया भर में महंगाई बढ़ी है। भारत पर भी उसका असर हुआ है। श्री दास ने कहा कि समिति ने रेपो दर को 50 आधार अंक बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत करने के साथ ही स्टैंडिंग डिपोजिट फैसिलिटी दर को भी आधी फीसद बढ़ाकर 4.65 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी को इतनी ही बढ़ाकर 5.15 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही समिति ने विकास को मदद करने और महंगाई को काबू में करने के उद्देश्य से अपने सामंजस्य वाले रूख को वापस लेने पर ध्यान केन्द्रित करने का भी निर्णय लिया है।

रेपो दर में वृद्धि से रियल एस्टेट की लागत में आयेगी कमी: उद्योग

नयी दिल्ली। बेकाबू होती महंगाई को नियंत्रित करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक महीने में लगातार दूसरी बार रेपो दर में आज की गयी बढोतरी का रियल एस्टेट उद्योग ने उच्च लागत में कमी लाने वाला कदम बताते हुये कहा है कि हालांकि इससे आवास ऋण महंगा हो सकता है। क्रेडाई एनसीआर के अध्यक्ष एवं गौड़ समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ ने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा संतुलन बनाने के लिए आरबीआई द्वारा लिया गया यह अच्छा निर्णय है। इसने उस कठोर रुख को नहीं अपनाया गया है जिसकी उम्मीद कुछ पर्यवेक्षकों ने की थी। इस प्रयास से मुद्रास्फीति को कम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का संकेत दिया है। हम समझते हैं कि रेपो दर में 50 आधार अंक की वृद्धि उपभोक्ता ऋणों की ब्याज दरों को प्रभावित करेगी और होम लोन को ऐसे समय में अधिक महंगा बना देगी जब रियल एस्टेट क्षेत्र महामारी के प्रकोप से बाहर आ रहा था और कम समय में बिक्री को प्रभावित कर रहा था। हालांकि, मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने से आखिरकार रियल एस्टेट क्षेत्र को लाभ होगा जो उच्च इनपुट लागतों से घिरा हुआ है। रियलटी कंपनी भूमिका ग्रुप के प्रबंध निदेशक उद्धव पोद्दार ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति जो अप्रैल में 8 साल के उच्चतम स्तर पर है और थोक कीमतों में वृद्धि के साथ, पिछले तीन दशकों में सबसे तेज है इसलिए आरबीआई के पास विकल्प नहीं था। हालांकि, आरबीआई एमपीसी के रेपो दर में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी का निर्णय निश्चित रूप से रियल एस्टेट में मांग को प्रभावित करेगा, हालांकि हमें उम्मीद है कि आरबीआई के फैसले से मुद्रास्फीति को सामान्य स्थिति में लाने में मदद मिलेगी और लंबे समय में अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

आरबीआई की नीतिगत दरों में इजाफे पर उद्योग जगत की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने महंगाई को काबू में करने के लिए लगातार दूसरे महीने नीतिगत दरों में बढोतरी की है, जिससे आम लोगों के लिए घर, कार और अन्य ऋणों की किस्तों में वृद्धि होगी तथा ऋण महंगे हो जायेंगे।

आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में एमपीसी की हुयी तीन दिवसीय बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा गया कि सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है। महंगाई तथा रुस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के कारण वैश्विक स्तर अनिश्चितता बढ़ी है और इससे आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर हुआ है, जिसके कारण दुनिया भर में महंगाई बढ़ी है। भारत पर भी उसका असर हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुयी है और केंद्रीय बैंक इसकी वृद्धि में समर्थन देता रहेगा।

आरबीआई की समिति ने रेपो दर को 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत करने के साथ ही स्टैंडिंग डिपोजिट फैसिलिटी दर को भी आधी फीसद बढ़ाकर 4.65 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी को इतनी ही बढ़ाकर 5.15 प्रतिशत कर दिया है।

मिलवुड केन इंटरनेशनल के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी निश भट्ट ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने फिर से दरों में बढ़ोतरी की है जो दो महीनों लगातार दूसरी बार है। इससे पहले आरबीआई शायद ही कभी दरों पर इतना आक्रमक रहा है। रेपो दर में बढ़ोतरी की मात्रा बाजार की उम्मीद के ऊपरी हिस्से पर थी।

नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद पहले से ही थी। सरकार ने घरेलू मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए कई प्रयास किए हैं जैसे खाद्य निर्यात प्रतिबंध और उत्पाद शुल्क में कटौती। लेकनि लंबे समय तक युद्ध और वैश्विक कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि अभी भी चिंतापूर्ण है।

मोतीलाल ओसवाल रियल एस्टेट फंड के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद मित्तल ने बताया कि जिंसों की कीमतों पर मुद्रास्फीति के दबाव और प्रतिकूल आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं के बावजूद मांग में मजबूत वृद्धि जारी है।

आरबीआई ने अपनी पिछली दो एमपीसी बैठकों में ब्याज दरों में बढ़ोतरी बढ़ती महंगाई को काबू में रखने के लिए की है। आरबीआई ने ग्रामीण सहकारी बैंकों को आवासीय आवास परियोजनाओं के लिए ऋण देने की अनुमति दी है। जिससे इस क्षेत्र में आवश्यक तरलता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

एमओएफएसएल समूह के मुख्य अर्थशास्त्री निखिल गुप्ता ने कहा कि यह बढ़ोतरी पूर्वानुमान से अधिक है और बाजार की सहमति 0.4-0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के लिए थी। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि जीडीपी वृद्धि अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।

वर्ष 2025 तक 150 अरब डॉलर का हो सकता है भारतीय फिनटेक बाजार : पंकज चौधरी

नयी दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ एक क्षेत्र के रूप में फिनटेक बदलाव लाने वाला साबित हुआ है।

एसोचेम द्वारा वित्त मंत्रालय के सहयोग से यहां आठ से 10 जून के बीच %इंडिया इंटरनेशनल फिनटेक फेस्टिवल-फिनटेक के भविष्य को आकार देने वाले वैश्विक आंदोलन की ओर% का आयोजन किया जा रहा है।

श्री चौधरी ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचेम) फिनटेक त्योहार कार्यक्रम में कहा,फिनटेक ने व्यापार के अवसरों के स्तर में वृद्धि की है और भारत के नागरिकों को इसे समझना चाहिए और भविष्य में इसका उपयोग करना चाहिए। फिनटेक कंपनियों को समाज और डिजिटल भुगतान के बीच की खाई को पाटना चाहिए। फिनटेक छोटे बैंकों, उधार देने वाले संगठनों पर नियंत्रण रख सकता है और रख भी रहा है।

उन्होंने कहा कि फिनटेक ने पिछले 10 वर्षों में बहुत प्रगति की है और वर्तमान परिदृश्य में और अधिक स्टार्टअप मॉडल बढ़ाने की क्षमता रखता है। देश में ज्यादातर फिनटेक

स्टार्टअप इकाइयों की उम्र अभी 10 साल की भी नहीं है लेकिन इन स्टार्टअप इकाइयों ने जो प्रगति की है वह पिछले कुछ वर्षों में तो निश्चित रूप से बहुत ही उल्लेखनीय रही है।

चौधरी ने कहा कि उम्मीद है कि भारत का फिनटेक बाजार वर्ष 2025 तक 150 अरब अमेरिकी डालर के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा देश में फिनटेक और डिजिटल कंपनियां भारतीय वित्तीय प्रणाली के चौथे खंड के रूप में कार्य कर सकते हैं, जिसमें बड़े बैंक, मध्यम आकार के बैंक, विशिष्ट बैंक, छोटे वित्त बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक शामिल हैं।

एसोचेम की राष्ट्रीय फिनटेक परिषद के अध्यक्ष राम रक्कप्पन ने कहा,फिनटेक कंपनियां अब वैश्विक स्तर पर कार्य कर रही हैं। भारतीय फिनटेक की कहानी अनूठी है और निरंतर औद्योगिक श्रृंखला तथा नवाचार के लिए सहयोगी संबंध बनाए हुए हैं।

सुवेंदु पति, मुख्य महाप्रबंधक, आरबीआई ने इस मौके पर कहा,फिनटेक से बहुत कुछ आगे आया है, इससे दक्षता आयी है, लागत कम हुयी है और हमें लोगों तक पहुंचने में मदद मिलती हैं। विश्व स्तर पर, फिनटेक बाजार वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और इस दशक में लगभग 20 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र को वित्त वर्ष 2022 में लगभग 8.5 अरब डॉलर का वित्त पोषण प्राप्त हुआ और इसके वर्ष 2025 तक बढ़कर 150 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।

गूगल पे के उपाध्यक्ष अंबरीश केंगे ने कहा, पिछले पांच वर्षों में भुगतान परिदृश्य बदल गया है और इसने फिनटेक कंपनियों के लिए एक अद्भुत भविष्य की नींव तैयार की है। डिजिटल भुगतान करने में सक्षम होने के कारण भारत महामारी के दौरान भी चल रहा है। इस वर्ष अकेले यूपीआई के माध्यम से एक लाख करोड़ से अधिक भुगतान किए जाने की उम्मीद है।

पेटीएम के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र झांब ने कहा, समाज में स्मार्टफोन ने फिनटेक उद्योग को तेजी से बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। यह फिनटेक कंपनियों का युग है और भारत यूपीआई लेनदेन के साथ डिजिटल भुगतान यात्रा में शीर्ष पर है। सरकार का डिजिटलीकरण लक्ष्य वर्ष 2025 तक 3000 से अधिक शहरों तक पहुंचेगा। इसमें उचित साइबर सुरक्षा प्रणाली, वास्तविक समय के विवादों को हल करने और तकनीकी परामर्श के साथ आपातकालीन उद्देश्यों की आवश्यकता है।

आरबीआई मौद्रिक समीक्षा: मकान के लिए ज्यादा दे सकेंगे सहकारी बैंक

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को सहकारी बैंकों के लिए व्यक्तिगत आवास ऋण की सीमा बढ़ाकर दोगुना कर दी और ग्रामीण सहकारी बैंकों (आरसीबी) को सस्ते मकान वाली आवासीय योजनाओं के लिए कर्ज देने की छूट दी। आरबीआई ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) को उनके ग्राहकों, विशेष रूप से वृद्ध और दिव्यांग ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके घर-घर पर बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने की भी छूट दी है। इससे इस मामले में शहरी सहकारी बैंकों को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की बराबरी करने का अवसर मिलेगा।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक के बाद आरबीआई के मौद्रिक नीति संबंधी बयान में कहा गया कि आवास की कीमतों में वृद्धि और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सहकारी बैंकों द्वारा दिए जाने वाले व्यक्तिगत आवास ऋण पर मौजूदा सीमा बढ़ायी जा रही है।

पिछली बार केंद्रीय बैंक ने यूसीबी के लिए 2011 में और आरसीबी के लिए 2009 में आवास ऋण की सीमाएं संशोधित की थीं।

टियर-एक/ टियर-दो यूसीबी में निजी आवास ऋण की सीमा क्रमश: 30 लाख रुपये से बढ़ा कर कर 60

लाख रुपये और 70 रुपये से बढ़ा कर 1.40 करोड़ रुपये कर दी गयी है।

इसी तरह 100 करोड़ रुपये से कम की शुद्ध परिसम्पत्ति वाले ग्रामीण सहकारी बैंकों के लिए व्यक्तिगत आवास ऋण की सीमा20 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये और अन्य आरसीबी के लिए यह सीमा 30 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपए कर दी गई है।

आरबीआई इसके लिए विस्तृत नियम बाद में अधिसूचित करेगा।

मौद्रिक नीति समिति में निर्णय लिया गया है कि आरसीबी-राज्य सहकारी बैंक और जिला केंद्रीय बैंक-वाणिज्यिक अचल संपत्तियों को अपनी आवास कर्ज की सीमा में रहते हुए अपनी कुल सम्पत्ति के पांच प्रतिशत के बराबर कर्ज दे सकते हैं। आरबीआई ने कहा कि आवास की बढ़ती आवश्यकता और आवास क्षेत्र को ऋण सुविधाएं प्रदान करने की सहकारी बैंकों की क्षमता का फायदा उठाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

अब यूपीआई से लिंक होगा रुपे क्रेडिट कार्ड

मुंबई। यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस से भुगतान को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए अब यूपीआई से रुपे क्रेडिट कार्ड को भी लिंक किया जा सकेगा। रिजर्व बैंक की ओर से बुधवार को विकासात्मक और नियामक नीतियों पर जारी बयान में कहा गया है कि पहुंच और उपयोग को और मजबूत बनाने के लिए क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। शुरुआत में रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक किया जा सकेगा। इस व्यवस्था से यूपीआई प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों को भुगतान करने में अधिक अवसर और सुविधा उपलब्ध हो पाएगी। आवश्यक सिस्टम का विकास कार्य पूरा होने के बाद ग्राहकों को यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। आरबीआई ने कहा कि देश में यूपीआई भुगतान का सर्वाधिक समावेशी माध्यम बन गया है। वर्तमान में 26 करोड़ से अधिक यूजर और पांच करोड़ कारोबारी यूपीआई प्लेटफॉर्म पर जुड़े हुए हैं। केवल मई 2022 में यूपीआई के माध्यम से 10.40 लाख करोड़ रुपये की राशि के 594.63 करोड़ लेनदेन किये गये हैं। वर्तमान में यूपीआई यूजर के डेबिट कार्ड के माध्यम से बचत एवं चालू खातों को लिंक कर लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि अब पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड योजना में अन्य बातों के साथ-साथ सब्सिडी राशि में वृद्धि करके और सब्सिडी दावा प्रक्रिया को सरल बनाकर संशोधन करने का प्रस्ताव है।

एक्जिम बैंक का नेत्र प्लेटफॉर्म लांच

नयी दिल्ली। वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारामण ने आज इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा विकसित 'नेत्र' (न्यू ई-ट्रैकिंग एंड रिमोट एडमिनिस्ट्रेशन) प्लेटफॉर्म को लाँच किया।

सीतारमण ने आज यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में इसको लाँच करते हुये कहा कि सरकार की हालिया पहलों ने भारतीय विकास एवं आर्थिक सहायता योजना (आयडियाज़) को नए आयाम दिए हैं और इस अमृत काल में देश को विकास भागीदारी के लिए नए सिरे से तैयार करते हुए एक नई राह बनाई है।

इस कार्यक्रम का आयोजन 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा मनाए जा रहे ऐतिहासिक सप्ताह के क्रम में किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती सीतारामण ने सरकार की ओर से भारतीय निर्यात-आयात बैंक (इंडिया एक्ज़िम बैंक) द्वारा आयडियाज़ के अंतर्गत दी जाने वाली रियायती ऋण-व्यवस्थाओं और इनसे भारत तथा भागीदार देश, दोनों को होने वाले विभि-?न फायदों के बारे में बात की। उन्होंने भागीदार देशों को आर्थिक और बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के लिए सहायता देने और उनसे सामाजिक-आर्थिक प्रभाव उत्पन्न करने, द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने, और क्षमता विकास एवं कौशल हस्तांतरण में सहयोग के लिए भारत के विकास अनुभवों को साझा करने में आयडियाज़ की सफलता का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने व्यापार में विस्तार और उससे होने वाली आर्थिक वृद्धि तथा देश में रोजगार सृजन के जरिए आयडियाज़ से होने वाले समसामयिक लाभों को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान, आयडियाज़ के अंतर्गत दी गई ऋण-व्यवस्थाओं के प्रभाव पर इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा बनाए गए एक वीडियो में आयडियाज़ के बढ़ते स्कोप और स्तर को दिखाया गया। साथ ही, भागीदार देशों में लगाई गई कुछ चुनिंदा परियोजनाएं भी दिखाई गईं, जिनसे बहु-आयामी सामाजिक-आर्थिक लाभ मिले हैं। इस वीडियो से आयडियाज़ दिशानिर्देशों और इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा तैयार किए गए मॉडल दस्तावेज़ों की जानकारी भी मिलती है, जिससे खरीद प्रक्रिया आसान हुई है और आयडियाज़ के अंतर्गत परियोजनाओं के क्रियान्वयन और गुणवत्ता में भी सुधार आया है।

सीतारामण ने विकास भागीदारी के लिए भारत की प्रतिबद्धता की तरफ ओर एक और कदम के रूप में 'नेत्र' (न्यू ई-ट्रैकिंग एंड रिमोट एडमिनिस्ट्रेशन) नाम का एक प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किया। यह डायनैमिक मॉनिटरिंग प्लैटफॉर्म इंडिया एक्ज़िम बैंक ने विकसित किया है। इस 'नेत्र' पर आयडियाज़ के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के बारे में तमाम जानकारियों के साथ-साथ उनके रियल-टाइम अपडेट मिलेंगे। साथ ही, परियोजनाओं की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए उन्हें तीव्र गति से पूरा किया जा सकेगा। 'नेत्र' प्लैटफॉर्म पर 200 से ज्यादा डेटा पॉइंट कैप्चर किए जा सकते हैं, ताकि भारत सरकार द्वारा रियायती ऋण-व्यवस्था की घोषणा करने से लेकर अनुमोदन प्रक्रिया की निगरानी और परियोजना के क्रियान्वयन तक हर चरण की जानकारी सुलभ हो सके। संशोधित आयडियाज़ दिशानिर्देशों और मॉडल दस्तावेजों के साथ-साथ यह 'नेत्र' प्लैटफॉर्म भारत के लिए विकास सहयोग के नए युग का अगुआ होगा।

रेपो दर बढ़ने से सेंसेक्स-निफ्टी पर दबाव

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विकास को गति देने और महंगाई को नियंत्रित करने के उद्देश्य से आज रेपो दर में आधे प्रतिशत की बढ़ोतरी से हतोत्साहित निवेशकों के दूरसंचार, ऊर्जा, एफएमसीजी समेत चौदह समूहों में बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी दबाव में रहे।

आरबीआई के एक महीने में लगातार दूसरी बार रेपो दर में 50 आधार अंक बढ़ोतरी करने से निवेशकों की निवेश धारणा प्रभावित हुई। इससे बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 214.85 अंक गिरकर 55 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 54,892.49 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 60.10 अंक फिसलकर 16,356.25 अंक पर रहा।

दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों के शेयर भी बिकवाली के दबाव में रहे। इस दौरान मिडकैप 0.15 प्रतिशत उतरकर 22,530.72 अंक और स्मॉलकैप 0.33 प्रतिशत टूटकर 25,978.00 अंक पर आ गया। बीएसई में कुल 3433 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1768 में गिरावट जबकि 1554 में तेजी रही वहीं 111 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 28 कंपनियां लाल जबकि शेष 21 हरे निशान पर रही।

इस दौरान बीएसई के 14 समूहों में बिकवाली हुई। दूरसंचार 1.62, ऊर्जा 0.87, एफएमसीजी 0.95, इंडस्ट्रियल्स 0.49, यूटिलिटीज 0.27, बैंकिंग 0.18, कैपिटल गुड्स 0.18, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.18, तेल एवं गैस 0.69, पावर 0.35 और टेक समूह के शेयर 0.18 प्रतिशत गिर गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा।

ब्रिटेन का एफटीएसई 0.31 और जर्मनी का डैक्स 0.49 प्रतिशत उतर गया वहीं जापान का निक्केई 1.04, हांगकांग का हैंगसेंग 2.24 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.68 प्रतिशत चढ़ गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 238 अंक तेजी लेकर 55,345.51 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 54,683.30 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

लिवाली शुरू होने से यह दोपहर से पहले यह 55,423.97 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 55,107.34 अंक के मुकाबले 0.39 प्रतिशत टूटकर 54,892.49 अंक पर आ गया।

इसी तरह निफ्टी ने भी मजबूत शुरुआत की और यह 59 अंक बढ़कर 16,474.95 अंक पर खुला। सत्र के दौरान बिकवाली होने से 16,293.35 अंक के निचले जबकि लिवाली के बल पर 16,514.30 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,416.35 अंक की तुलना में 0.37 प्रतिशत उतरकर 16,356.25 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की 17 कंपनियों के शेयर गिरे जबकि शेष 13 में बढ़त रही। भारती एयरटेल ने सबसे अधिक 3.31 प्रतिशत का नुकसान उठाया वहीं टाटा स्टील के शेयरों ने सर्वाधिक 1.70 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

इनके अलावा गिरावट पर रही अन्य प्रमुख कंपनियों में आईटीसी 2.03, रिलायंस 1.74, एक्सिस बैंक 1.03, आईसीआईसीआई बैंक 0.78, इंफोसिस 0.48, एलटी 0.21 और एनटीपीसी 0.13 प्रतिशत शामिल है।

फुजीफिल्म का इंस्टैक्स मिनी इवो कैमरा भारत में लॉन्च

नयी दिल्ली। इमेजिंग टेक्नोलॉजीस क्षेत्र की कंपनी फुजीफिल्म ने आज भारत में इंस्टैक्स मिनी ईवो कैमरा को लाँच करने की घोषणा की जिसकी कीमत 22999 रुपये है और इसके साथ 10 फिल्म के दो पैकेट भी मिलेंगे।

कंपनी ने यहां कहा कि नया कैमरा ब्रांड की सबसे पसंदीदा फ्लैगशिप सीरीज़ इंस्टैक्स मिनी का नवीनतम, सबसे एडवांस्ड एडीशन है, जो यूजर्स को मौके पर ही शूट करने और फोटो प्रिंटिंग का आनंद लेने की सुविधा प्रदान करता है। क्लासिक और कॉम्पैक्ट रेट्रो डिज़ाइन को स्पोर्ट करते हुए, इंस्टैक्स मिनी इवो पहला इंस्टैक्स कैमरा है जो प्रिंट लीवर, लेंस डायल और फिल्म डायल से लैस है। ये उपयोगकर्ताओं को डायल के साथ शूटिंग प्रभाव चुनने और लीवर खींचकर प्रिंट करने की अनुमति देते हैं। उसने कहा कि इसके साथ ही एनालॉग संचालन के साथ

फोटोग्राफिक आर्ट बनाने की खुशी प्रदान करते हैं। 100 अलग-अलग शूटिंग प्रभावों के साथ, उपयोगकर्ता न केवल अपनी यादों को अपनी जेब में रख सकते हैं, बल्कि लेंस प्रभावों की एक विस्तृत सीरीज़ के माध्यम से खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकते हैं। कैमरे के पीछे की तरफ एक एलसीडी मॉनिटर भी है, जिससे उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के उन तस्वीरों को देख सकते हैं, मॉडिफाई कर सकते हैं और उन फोटोग्राफ को चुन सकते हैं जिन्हें वे तुरंत प्रिंट करना चाहते हैं।

फुजीफिल्म इंडिया के प्रबंध निदेशक कोजी वाडा ने कहा हमारा लक्ष्य हमेशा ग्राहकों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करना और अत्याधुनिक समाधान प्रदान करना रहा है। इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, हम आखिरकार भारत में बिल्कुल नए इंस्टैक्स मिनी इवो को लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं - हमारी प्रमुख मिनी सीरीज़ के लिए एक और नई एडीशनल शुरूआत है। यह फोटो प्रिंटिंग क्षमताओं को दूसरे स्तर पर ले जाता है और हमारे हाइब्रिड डिजिटल एनालॉग कैमरों की वास्तविक क्षमता को प्रदर्शित करता है।

शार्ट न्यूज

टेस्ट रैंकिंग में नंबर 2 पर पहुंचे जो रूट

दुबई। इंग्लैंड के बल्लेबाज़ जो रूट लॉर्ड्स में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की अंतिम पारी में नाबाद 115 रन बनाकर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह स्टीव स्मिथ (वर्तमान में नंबर 3 पर) और केन विलियमसन से आगे निकल गए हैं। वहीं बाबर आज़म चौथे स्थान पर विराजमान हैं। 892 अंकों के साथ मार्नस लाबुशेन पहले स्थान पर हैं। केन विलियमसन पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। गेंदबाज़ों में न्यूज़ीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ काइल जेमीसन, जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ छह विकेट लिए थे, दो पायदान ऊपर चढ़ गए हैं और अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर वापस आ गए हैं। उसी टेस्ट में छह विकेट लेने वाले इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन दो पायदान के फ़ायदे के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स दो पायदान के फ़ायदे के साथ 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज़ टॉम ब्लंडल और डैरिल मिचेल ने भी साप्ताहिक अपडेट में भारी लाभ कमाया है- ब्लंडेल 14 और 96 के स्कोर के बाद 15 स्थान की छलांग लगाकर 35वें स्थान पर आ गए हैं जबकि मिचेल 13 और 108 के स्कोर के साथ 75वें से 50वें स्थान पर आ गए हैं। टी20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फ़िंच नंबर पांच पर चले गए हैं, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार डेविड वार्नर आठ स्थान की बढ़त के साथ 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। तेज़ गेंदबाज़ जॉश हेज़लवुड, जिन्हें 16 रन देकर 4 विकेट लेने के लिए पहले टी20 में प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया था, एक स्थान की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वनडे रैंकिंग में अफ़ग़ानिस्तान के राशिद ख़ान ज़िम्बाब्वे दौरे में अपने प्रदर्शन के बाद ऑलराउंडरों की श्रेणी में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि इसी श्रृंखला में मोहम्मद नबी के छह विकेटों ने उन्हें आठ पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

विम्बलडन में दिखेंगी महाराष्ट्र की ऐश्वर्या

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर की ऐश्वर्या जाधव ने एशिया की अंडर-14 टीम में जगह बनाते हुए इंग्लैंड में एक जुलाई से होने वाली विम्बलडन टेनिस प्रतियोगिता में खेलने का मौका हासिल किया है। ऐश्वर्या के पिता ने बताया कि उन्हें अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) से आधिकारिक पत्र में इसकी जानकारी मिली है। ऐश्वर्या के अलावा दो लड़कों एवं एक लड़की को भी दिल्ली की विश्व जूनियर टेनिस प्रतियोगिता से चुना गया है। जापान के अजुना इचिओका, कज़ाकस्तान के ज़ंगर नुरलानुली और कोरिया की सी हुक चो को भी प्रतियोगिता के लिये चुना गया है। ऐश्वर्या एकलौती भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें विम्बलडन टेनिस प्रतियोगिता के अंडर-14 ग्रुप में चुना गया है। वह कोल्हापुर जिला लॉन टेनिस संघ की खिलाड़ी हैं। उनके माता-पिता के पास जैसे ही एआईटीए का पत्र पहुंचा, उन्होंने कोल्हापुर के 'मेरी वेदर प्ले ग्राउंड' में मिठाइयां बांटी। एआईटीए ने दो महीने पहले अंडर-14 आयु वर्ग में आईटीएफ विश्व बालिका टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में, ऐश्वर्या ने चार मैच जीतकर और कोरिया के खिलाड़ी को भी हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी, लेकिन वह फाइनल में नहीं खेल सकी थीं।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 10 विकेट से पीटा

कोलम्बो। जोश हेजलवुड (16 रन पर चार विकेट) और मिचेल स्टार्क (26 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को मंगलवार को पहले टी 20 मुकाबले में 19.3 ओवर में 128 रन पर समेट दिया और फिर 14 ओवर में बिना कोई विकेट खोये 134 रन बनाकर सबसे एकतरफा जीत हासिल कर ली। कप्तान आरोन फिंच ने नाबाद 61 और डेविड वार्नर ने 70 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। फिंच ने 40 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाए जबकि वार्नर ने 44 गेंदों में नौ चौके लगाए। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। हेजलवुड को उनकी गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले श्रीलंका की तरफ से उसके तीन शीर्ष बल्लेबाज ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का कुछ प्रतिरोध कर सके। पथुम निसंका ने 36, दनुष्का गुनातिलका ने 26 और चरिथ असलंका ने सर्वाधिक 38 रन बनाये। श्रीलंका एक विकेट पर 100 रन से 128 रन पर ढेर हो गयी। निचले क्रम में वनिंदु हसरंगा ने संघर्ष करते हुए 17 रन बनाये।

दूतावासों ने इस्लामाबाद में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में कानून-व्यवस्था और अपराध की स्थिति को लेकर पश्चिम एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के 35 देशों के राजनयिकों और सुरक्षा सलाहकारों ने चिंता व्यक्त की है। यहां के अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार दूतावासों के कर्मचारियों ने यहां बार बार सड़क जाम होने और रेड जोन बने इलाकों को प्रतिबंधित करने से उनको आवाजाही में दिक्कत होने पर यह चिन्ता व्यक्त की। रिपोर्ट में एक सुरक्षाकर्मी के हवाले से कहा गया कि क्या मार्गल्ला पगडंड़िया सहित इस्लामाबाद चलने के लिए सुरक्षित है। एक अन्य देश के दूतावास के कर्मचारी ने राजधानी की सड़कों पर हो रहे अपराध में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। पुलिस सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि राजनयिकों और सुरक्षा सलाहकारों ने सोमवार को राजधानी के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर सुरक्षा मामलों पर चर्चा की। अफ्रीकी दूतावास के एक अधिकारी ने पुलिस को किसी भी विरोध प्रदर्शन के पहले किये जाने वाले बंदोबस्तों की पहले जानकारी देने की मांग की ताकि वह अपना कार्यक्रम उस के अनुसार पुर्नसंशोधित कर सके। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार कुछ दूतावासों के कर्मचारियों ने राजधानी की सुरक्षा स्थिति पर चिन्ता व्यक्त की और पुलिस में दर्ज हुये मामलों के आकड़े साझा करने और उनमें पारदर्शिता बरतने को कहा गया हैं।

बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा में चार आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने खैबर-पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के हसन खेल क्षेत्र और बलूचिस्तान प्रांत के नुश्की जिले के पास परोध पर्वत में दो अलग-अलग खुफिया अभियानों के दौरान कम से कम चार आतंकवादी मार गिराया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बुधवार को यह रिपोर्ट दी है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर खैबर-पख्तूनख्वा में सोमवार, छह जून को पहला अभियान शुरू किया गया था। सेना ने कहा, गोलीबारी के दौरान दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। एक अन्य गोलीबारी के दौरान सेना दो आतंकवादियों को मार गिराया।

ब्रिटेन में 76 प्रतिशत लोग खाद्य पदार्थो की कीमतों में वृद्धि से चिंतित

लंदन। ब्रिटेन की सरकारी खाद्य मानक एजेंसी (एफएसए) ने कहा कि देश में अधिकतर लोग करीब(76 प्रतिशत) खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों को लेकर चिंतित हैं। एजेंसी ने मंगलवार को एक अध्ययन में कहा, ब्रिटेन के चार में से तीन यानि (76 प्रतिशत) उपभोक्ता खाद्य पदार्थों की बढ़ रही लागत उनकी प्रमुख चिंता है। शोध के अनुसार, खाद्य बैंकों या चैरिटी का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या मार्च 2021 में नौ प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2022 में 15 प्रतिशत हो गई है। एजेंसी ने बताया कि पांच में से एक ब्रिटिश नागरिक कहना है कि वे खाद्य पदार्थ नहीं ले पा रहे या कम ले रहे ऐसा इसलिए क्योंकि उनके पास खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। एफएसए के अध्यक्ष सुसान जेब ने कहा, खाद्य बैंक अल्पावधि के लिए भरोसेमंद जीवन रेखा हो सकते हैं, लेकिन सरकारों और नियामकों को अन्य तरीकों को भी और अधिक व्यापक रूप से देखना चाहिए ताकि लोग लंबे समय तक सुरक्षित और स्वस्थ भोजन मिल सकें।

समय के साथ बेहतर कप्तान बनेंगे राहुल : इरफ़ान

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय गेंदबाज़ इरफ़ान पठान ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ में भारत की कप्तानी कर रहे लोकेश राहुल समय के साथ बेहतर कप्तान बनेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ जून से शुरू होने वाली श्रंखला में राहुल पहली बार टी20 में भारत की कप्तानी करेंगे।

स्टार स्पोर्ट्स के शो फॉलो द ब्लूज़ पर इरफान पठान ने कहा, निश्चित रूप से, यह सीरीज़ सभी खिलाड़ियों के लिए एक परीक्षा है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण केएल राहुल की एक कप्तान के रूप में परीक्षा है। मुझे लगता है, आप जब भी परीक्षा में जाते हैं, तो आप अच्छी तैयारी करना चाहते हैं। उन्होंने अच्छी तैयारी की है। वह लखनऊ सुपर जायंट्स को प्लेऑफ में लेकर गये और बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से वह एक कप्तान के तौर पर बेहतर हुए हैं। पहले जब उन्होंने पंजाब की कप्तानी की, तो उनका ध्यान अपने नेतृत्व को समझने और संभालने पर अधिक था, लेकिन आखिरकार, अब मुझे लगता है कि वह एक कप्तान के रूप में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

इरफ़ान ने कहा, अभी भी सुधार की बहुत गुंजाइश है। मुझे लगता है कि जैसे-जैसे समय बीतता जाएगा, वह बेहतर होते जाएंगे। वह शांत और काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में, मुझे विश्वास है कि वह बेहतर प्रदर्शन करते रहेंगे और मुझे यकीन है कि वह एक अच्छे लीडर बनकर सामने आएंगे।

इस बीच, पूरी तरह से फिट हार्दिक पांड्या की टीम में वापसी हुई है। प्रतिभाशाली ऑलराउंडर हार्दिक ने

आईपीएल 2022 में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 487 रन बनाए। आईपीएल फाइनल में उन्होंने बहुमूल्य योगदान देते हुए 17 रन के बदले तीन विकेट भी लिये।

इरफ़ान का मानना है कि टीम प्रबंधन के पास अब विकल्पों का खजाना है। उन्होंने कहा,हार्दिक पांड्या बहुत मूल्यवान हैं और वह खेल को खत्म करने में सक्षम हैं। प्रबंधन इस बारे में काफी जागरूक है और उनके टीम में होने से उनके पास टीम में सिर्फ एक या दो नहीं बल्कि तीन फिनिशर हैं। हार्दिक पांड्या जिस तरह से बल्लेबाजी करते हैं, वह कभी भी छक्के लगाने में सक्षम हैं और उन्होंने ज़मीनी शॉट खेलना भी शुरू कर दिया है। यही वजह है कि आईपीएल में इस सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।

भारतीय टीम में दो उभरते हुए गेंदबाज अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक भी हैं, जो इस साल अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए असाधारण रहे हैं। डेथ ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट लेने वाले अर्शदीप पंजाब किंग्स के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। अर्शदीप ने 36 आईपीएल मैचों में 8.42 की इकॉनमी रेट से 40 विकेट लिए हैं, जिसमें उनके नाम एक पांच विकेट-हॉल भी है। जम्मू-कश्मीर के उमरान ने लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाज़ी कर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इरफान ने अर्शदीप और उमरान के चयन के बारे में कहा, इन दोनों को भारत कॉल-अप मिलते देखकर बिल्कुल रोमांचित हूं। अर्शदीप सिंह लंबे समय से अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। एक बाएं हाथ का गेंदबाज आपको एक अलग कोण देता है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने अंतिम ओवरों में गेंदबाजी की है, उसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, उमरान मलिक - वाह - आप जानते हैं, वह 150 किमी पर लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं। मैं वास्तव में उनसे प्रभावित हूं। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया उत्साहित है, क्योंकि दुनिया में ऐसे कई खिलाड़ी नहीं हैं जो लगातार 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकें। जाहिर है, जहां तक उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट का सवाल है, वह अनुभवहीन हैं, लेकिन मुझे लगता है कि टीम प्रबंधन, राहुल द्रविड़ और सभी कोच उनका समर्थन करेंगे।

बेल्जियम के लिये रवाना हुईं भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीम

नयी दिल्ली। वरिष्ठ भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें बुधवार को बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स के लिये रवाना हो गयीं, जहां वे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 में हिस्सा लेंगी।

सविता की अगुवाई में महिला टीम 11 और 12 जून को मेज़बान बेल्जियम के खिलाफ दो मुकाबले खेलेगी।

टीम के बेल्जियम रवाना होने से पहले सविता ने कहा, बेशक, हम इस दौरे के लिये रोमांचित हैं क्योंकि एफआईएच हॉकी प्रो लीग ने हमें यूरोप की कुछ शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का मौका दिया है।

सविता ने कहा, शीर्ष टीमों के साथ खेलने से हम एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिये भी तैयार होंगे, जो इस साल जुलाई में होने वाला है। यह हमारे प्रदर्शन का जायज़ा लेने के लिये और हमारी कमियों पर काम करने के लिये एक बेहतरीन मंच है।

भारतीय महिला हॉकी टीम फिलहाल एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2021/2022 में आठ मुकाबले खेलकर 22 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत के आगे टेबल के शीर्ष पर अर्जेंटीना (38 पॉइंट) और दूसरे स्थान पर नीदरलैंड (26 पॉइंट) बनी हुई है, हालांकि भारत ने अर्जेंटीना और नीदरलैंड से कम मुकाबले खेले हैं। यदि भारत अपने बचे हुए सभी मुकाबले जीत लेता है तो उसके पास टेबल के शीर्ष पर पहुंचने का मौका है। दूसरी ओर, अमित रोहिदास की अगुवाई में पुरुष हॉकी टीम भी 11 और 12 जून को बेल्जियम के खिलाफ दो मुकाबले खेलेगी। एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग अंक तालिका में भारत दूसरे स्थान पर है।

मैजिकल मिताली ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

नयी दिल्ली। अपने शानदार करियर को विराम देते हुए भारतीय टेस्ट और वनडे टीम की कप्तान मिताली राज ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फ़ैसला किया है। उन्होंने ट्विटर पर संदेश जारी करते हुए अपने संन्यास की घोषणा की।

39 वर्षीय मिताली ने लिखा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर को समाप्त करने का सही समय है। टीम की कमान प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के हाथों में हैं और भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है।

वैसे तो मिताली ने अपने भविष्य को लेकर कोई संकेत नहीं दिए हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह खेल से जुड़ी रहेंगी। उन्होंने आगे लिखा, जब भी मैंने मैदान पर क़दम रखा, मैंने भारत को जीतने में मदद करने के इरादे से अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। मैं हमेशा तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने के लिए मुझे दिए गए अवसर को संजो कर रखूंगी। इतने सालों तक टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात थी। इस ज़िम्मेदारी ने मुझे विकसित होने में मदद की और मुझे उम्मीद है कि इससे भारतीय महिला क्रिकेट का विकास भी हुआ है। यह सफ़र भले ही समाप्त हो गया है, अगला सफ़र ज़्यादा दूर नहीं है। मैं इस खेल से जुड़े रहना चाहती हूं और भारत तथा विश्व भर में महिला क्रिकेट के विकास में अपना योगदान देना चाहती हूं।

अपने करियर में मिताली ने 12 टेस्ट, 232 वनडे और 89 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस साल की शुरुआत में खेले गए विश्व कप में दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ उन्होंने अपना आख़िरी अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था। तीन विकेट से मिली हार के बाद भारत विश्व कप से बाहर हो गया था। उस मैच में भारत की कप्तान मिताली ने 84 गेंदों का सामना करते हुए 68 रन बनाए थे जो वनडे क्रिकेट में उनका 63वां अर्धशतक था।

इस प्रारूप में सात शतकों की मदद से मिताली ने 50.68 के औसत से कुल 7805 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने एक शतक और चार अर्धशतकों समेत 699 रन जोड़े। प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के उभरने के बाद टी20 क्रिकेट में एक क़दम पीछे ले चुकी मिताली ने 37.52 की औसत से 2364 रन बनाए। इस दौरान टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनके बल्ले से 17 अर्धशतक निकले। कुल मिलाकर 10,868 रन बनाकर मिताली महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज़ बनीं। साथ ही वनडे मैचों में भी उनके नाम सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है। वह महिला वनडे मैचों में लगातार सात अर्धशतक बनाने वाली पहली खिलाड़ी बनी थीं।

16 साल की आयु में मिताली ने अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू मैच में आयरलैंड के विरुद्ध वनडे मुक़ाबले में नाबाद 114 रन बनाए थे।

वह उस समय महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक बनाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनी थीं। आज भी महिला वनडे क्रिकेट में यह रिकॉर्ड मिताली के नाम है।

इस शतक ने उस करियर की शुरुआत की जिसमें मिताली भारतीय बल्लेबाज़ी की सबसे मज़बूत कड़ी बनकर उभरी। उन्होंने 2005 के वनडे विश्व कप में भारत को फ़ाइनल तक पहुंचाया।

चीन को लेकर क्या थी नेहरू की मैंगो डिप्लोमैसी, जो नहीं हो पाई कामयाब

नई दिल्ली। भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है। मौजूदा वक्त में चीन भी दुनिया के सबसे बड़े आम उत्पादक देशों में से है। लेकिन क्या आपको पता है कि 1960 के दशक तक चीनी लोगों के लिए आम करीब-करीब अज्ञात था। आम के साथ भारत की चीन को लेकर कूटनीति जानते हैं आप? आइए जानने की कोशिश करते हैं कि भारत ने 1950 के दशक में आम से कूटनीति की शुरुआत कैसे की।

प्रस्ताव आते ही क्यों टल गया?

शुरुआती योजना के मुताबिक आम के पौधों को 1954 की सर्दियों में गुआंगझोउ के पीपल्स पार्क में रोपण के लिए भेजा जाना था। हालांकि बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने विदेश मंत्रालय को सलाह दी कि यह मौसम चीन में आम के पौधे लगाने का उपयुक्त समय नहीं है। ऐसे में इस प्रस्ताव को कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया।

1955 में फिर से योजना पर शुरू किया गया काम

दी प्रिंट की एक रिपोर्ट बताती है कि मई 1955 में फिर से योजना पर काम शुरू किया गया। बीजिंग दूतावास ने विदेश मंत्रालय ने आम के पौधों की जल्द से जल्द व्यवस्था करने के लिए कहा।

तैयारी शुरू हुई और फाइनल हुआ कि पौधों को एक सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन भेजा जाएगा। शुरू में तय किया गया कि 11 पौधे चीन भेज जाएंगे फिर इसे 8 कर दिया गया। 30 मई को विदेश मंत्रालय ने बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास को बताया कि 8 आम के नमूने वाले दो क्रेट 5 जून को होन्ग-कोन्ग भेजे जा रहे हैं।

भारत ने आम भेजे लेकिन क्या वे पहुंचे?

इसके बाद बीजिंग दूतावास ने कहा कि हम चीनी पक्ष को जानकारी दे रहे हैं लेकिन पौधों की संख्या बढ़ाई जाए क्योंकि 8 को बहुत कम माना जाएगा। आखिरकार पौधों की गुणवत्ता आदि देखने के बाद विदेश मंत्रालय ने 3 दशहरी, 2 चौसा, 2 अल्फांजो और 1 लंगड़ा आम को भेजने की स्वीकृति दे दी। लेकिन इसके बाद की जानकारी पब्लिक रिकॉर्ड में नहीं हैं।

50 साल लग गए दोबारा फल चीन भेजने में...

आम के पौधे चीन भेजे जाने के कुछ सालों बाद 1962 में दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ उर रिश्ते की मिठास खटास में बदल गई। रिपोर्ट्स बताती हैं कि इसके बाद भारत को चीन आम भेजने में करीब 50 सालों का वक्त लग गया।

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की 2003 की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने डब्ल्यूटीओ द्विपक्षीय समझौते के तहत एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद 2004 में एम्ब्रोसियन फल के साथ भारत से पहली आधिकारिक खेप चीन में उतरी।

वाहन के भीड़ में टक्कर मारने से एक मरा

बर्लिन। जर्मनी के बर्लिन में बुधवार को एक चर्च के पास एक वाहन के टक्कर मारने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी तथा 30 लोग घायल हो गये। सीएनएन ने बर्लिन दमकल के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि वाहन ने कैसर विल्हेम मेमोरियल चर्च के बाहर लोगों को टक्कर मारी। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह एक दुर्घटना थी या जानबूझकर की गई घटना थी। स्काई न्यूज ने बर्लिन पुलिस के हवाले से कहा कि वाहन चालक को हिरासत में लिया गया है।

चीन में बारिश के मद्देनजर ब्लू अलर्ट जारी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रीय मौसम विभाग ने बुधवार को देश के कई हिस्सों में आंधी तूफान के साथ बारिश के मद्देनजर ब्लू अलर्ट जारी किया । विभाग ने जिआंगशी, फुजियान, गुआंगदोंग, गुआंगशी, हेनान द्वीप, सिचुआन, चोंगकिंग, युन्नान और ताइवान द्वीप के विभिन्न इलाकों में बुधवार दोपहर से गुरुवार दोपहर तक भारी बारिश के अनुमान लगाए हैं। गुआंगदोंग के दक्षिणी क्षेत्र में 150 मिलीमीटर तक बारिश होने के अनुमान व्यक्त किया है। देश के कुछ हिस्सों में बिजली की चमक औरगरज के साथ तेज हवाओं के साथ 60 से अधिक मिमी बारिश होने के आसार हैं। इस चेतावनी के बीच स्थानीय सरकारों को आंधी-तूफान को देखते हुए सभी प्रकार से तैयार रहने को कहा गया है। स्कूलों को बच्चों को सुरक्षा के सभी उपाय सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है और वाहन चालकों को जाम वाली जगहों और बाढ़ से बचने के लिए आगाह किया गया है। उल्लेखनीय है कि चीन में मौसम चेतावनी प्रणाली के चार स्तरीय रंग चिन्ह है, जिसमें लाल रंग सबसे गंभीर चेतावनी को दर्शाता है, जबकि इसके अलावा चेतावनी प्रणाली में ऑरेंज, येलो और ब्लू रंग शामिल हैं जो आपदा के स्तर को दर्शाते हैं।

यूक्रेन में रूसी सेना के युद्ध अपराध पर जल्द जारी होगी किताबः ज़ेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने आगाह किया कि नागरिकों के लिए आने वाली सर्दी मुश्किल भरी होगी साथ ही कहा कि रूसी सेना के यूक्रेन में किये गये अपराधों को एक दस्तावेज 'बुक ऑफ टॉर्चर्स' के रूप में जल्द ही जारी किया जायेगा। राष्ट्रपति ने मंगलवार रात को वीडियो के माध्यम से संबोधन करते हुए कहा, रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण हालिया स्थिति में यह स्वतंत्रता के बाद की सबसे कठिन सर्दी होने वाली है। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी अधिकारियों और राज्य के स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आने वाली सर्दी के सीजन की तैयारी के लिए एक मुख्यालय स्थापित करने के लिए चर्चा की गयी है। सीएनएन ने यह रिपोर्ट किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सर्दी के मौसम में कोयले के संचय और बिजली उत्पादन के लिए गैस खरीदने की समस्या है। इस समय हम विदेश में अपनी गैस और कोयले को नहीं बेचेंगे। सभी घरेलू उत्पाद को हमारे नागरिकों के उपयोग के लिए रखा जायेगा। उन्होंने उद्धृत करते हुए कहा कि वह रूसी हमलों से क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए ताप और बिजली संयंत्रों की मरम्मत करने की भी योजना बना रहे हैं। आगामी महीनों में इस कार्यक्रम को लागू करने का काम यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय के शीर्ष काम में से एक है। सीएनएन ने राष्ट्रपति के हवाले से कहा कि यूक्रेन में युद्ध अपराधियों और रूसी सेना के अपराधियों का दस्तावेजीकरण करने वाली एक पुस्तक बुक ऑफ टॉर्चर'' जारी की जायेगी।

ट्रेन के खुदाई मशीन से टकरा जाने से 17 मरे, 50 घायल

तेहरान। ईरान के तबास प्रांत में एक यात्री ट्रेन के खुदाई मशीन से टकरा जाने से 17 लोगों की मौत हो गयी और 50 लोग घायल हो गये। तेहरान टाइम्स के अनुसार यह हादसा स्थानीय समयानुसार साढ़े पांच बजे हुआ। इरना समाचार एजेंसी ने तबास के गवर्नर अली-अकबर राहिमी के हवाले से बताया कि तड़के हुए इस हादसे के बाद ट्रेन के चार डिब्बे पटरी से उतर गये। दुर्घटना के बाद राहत कर्मी, रेड क्रीसेंट सोसाइटी, आपात सेवा और सहायता इकाई से जुड़े लोग मौके पर पहुंचे। हादसे के कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

राजनाथ ने वियतनाम के रक्षा मंत्री के साथ की द्विपक्षीय बैठक

हनोई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को वियतनाम के रक्षा मंत्री जनरल फान वान गियांग के साथ यहां द्विपक्षीय बैठक की। श्री सिंह जनरल फान वान जियांग के निमंत्रण पर आठ से 10 जून तक तीन दिवसीय वियतनाम दौरे पर हैं। बैठक के दौरान इन मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा की और इन्हें और मजबूत करने के लिए नयी संभावनाओं की तलाश पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि दोनों मंत्रियों ने साझा हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इससे पहले श्री सिंह को वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मुख्यालय मंत्रालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में गहरी खाई में गिरा वाहन, 22 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक यात्री वाहन खाई में गिर गया, जिसके चलते 22 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। यह हादसा 1,572 मीटर की ऊंचाई पर हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक गाड़ी का ड्राइवर मोड़ पर गाड़ी को संभाल नहीं सका और अनियंत्रित वाहन गहरी खाई में जा गिरा। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, घटना में एक बच्चे समेत 22 लोगों की मौत हो गई। उपायुक्त हाफिज मुहम्मद कासिम ने कहा कि यात्री बस जोब से लोरालिया जा रही थी। उन्होंने बताया, 'वाहन अख्तरजई के पास एक पहाड़ी की चोटी से गिर गया। हमने अब तक 10 शव बरामद किए हैं क्योंकि पहाड़ों में गहरी खाई के कारण बचाव अभियान में मुश्किल आ रही है।' आस-पास के अस्पतालों में अलर्ट जारी कर दिया गया है और बचाव अभियान में मदद के लिए क्रेटा से कई टीम को बुलाया गया है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और अधिकारियों से घायलों के लिए हर संभव चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया तथा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। देश के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में दुर्गम और पर्वतीय इलाकों के कारण हर साल सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। यह इलाका पाकिस्तान के दुर्गम क्षेत्रों में से एक है।

झोब जिले के डिप्टी कमिश्नर हाफिज मुहम्मद कासिम ने कहा कि अब तक 10 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। लेकिन गहरी खाई होने के चलते शवों को निकालने में बहुत समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि आसपास के इलाकों और अस्पतालों के लिए अलर्ट जारी किया गया है ताकि तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन हो सके। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस घटना पर दुख जाहिर किया है और अथॉरिटीज से अपील की है कि वे घायलों को राहत प्रदान करें। उन्होंने बलूचिस्तान में भविष्य में ऐसे हादसों को टालने के लिए भी कदम उठाने की बात कही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

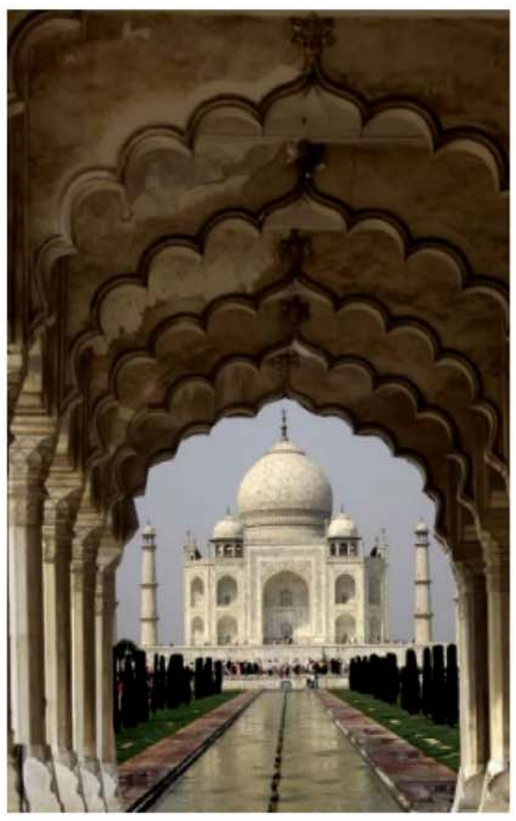

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नहीं है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर ले या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजमहल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदे भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवतः आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नींव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

CMYK CMYK CMYK CMYK